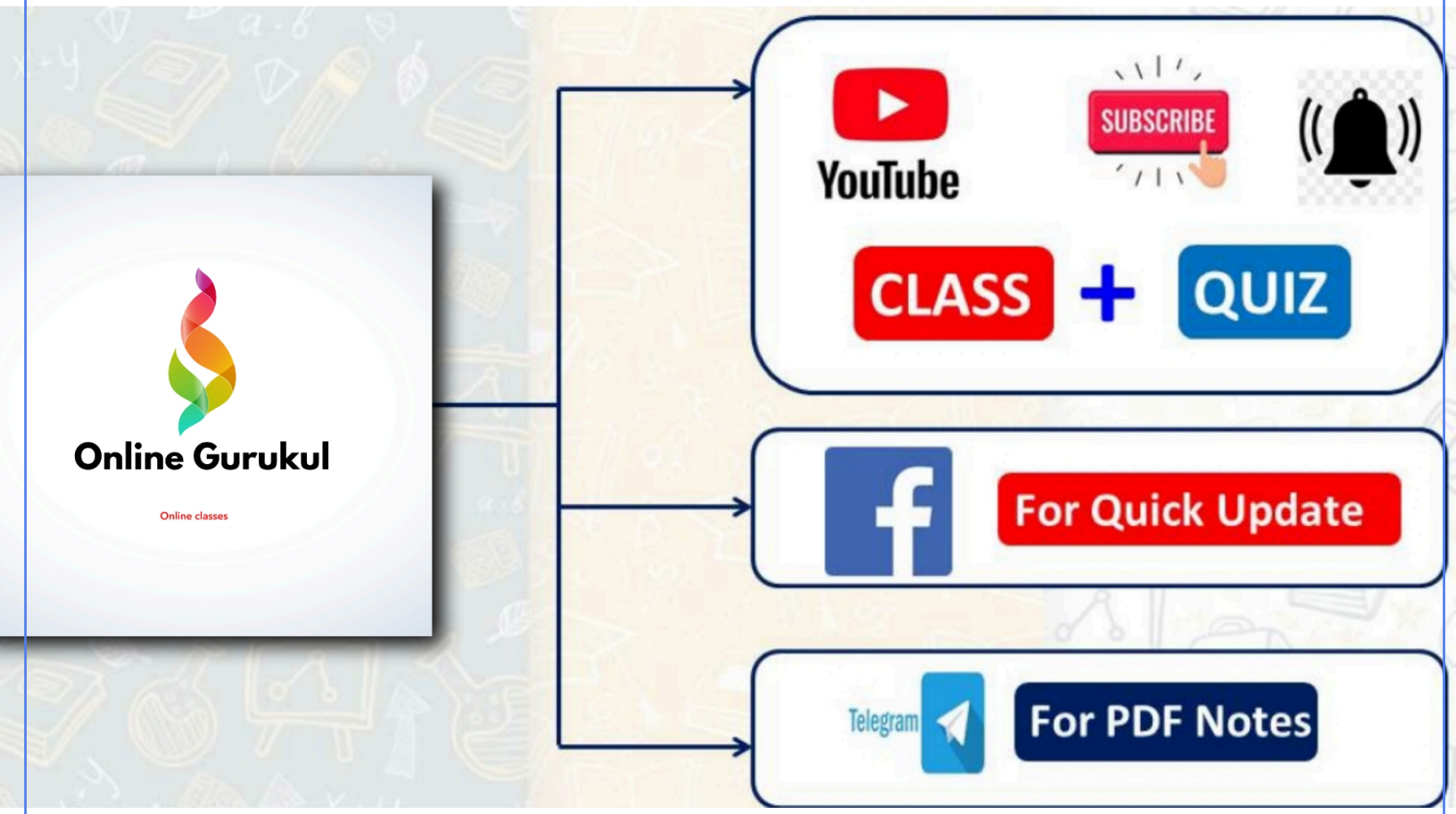
Online Gurukul
Online classes
YouTube
SUBSCRIBE
CLASS
+
QUIZ
For Quick Update
Telegram
For PDF Notes

हिमालयी अपवाह तंत्र

सिंधु नदी तंत्र

★ मुख्य नदी :- सिंधु नदी

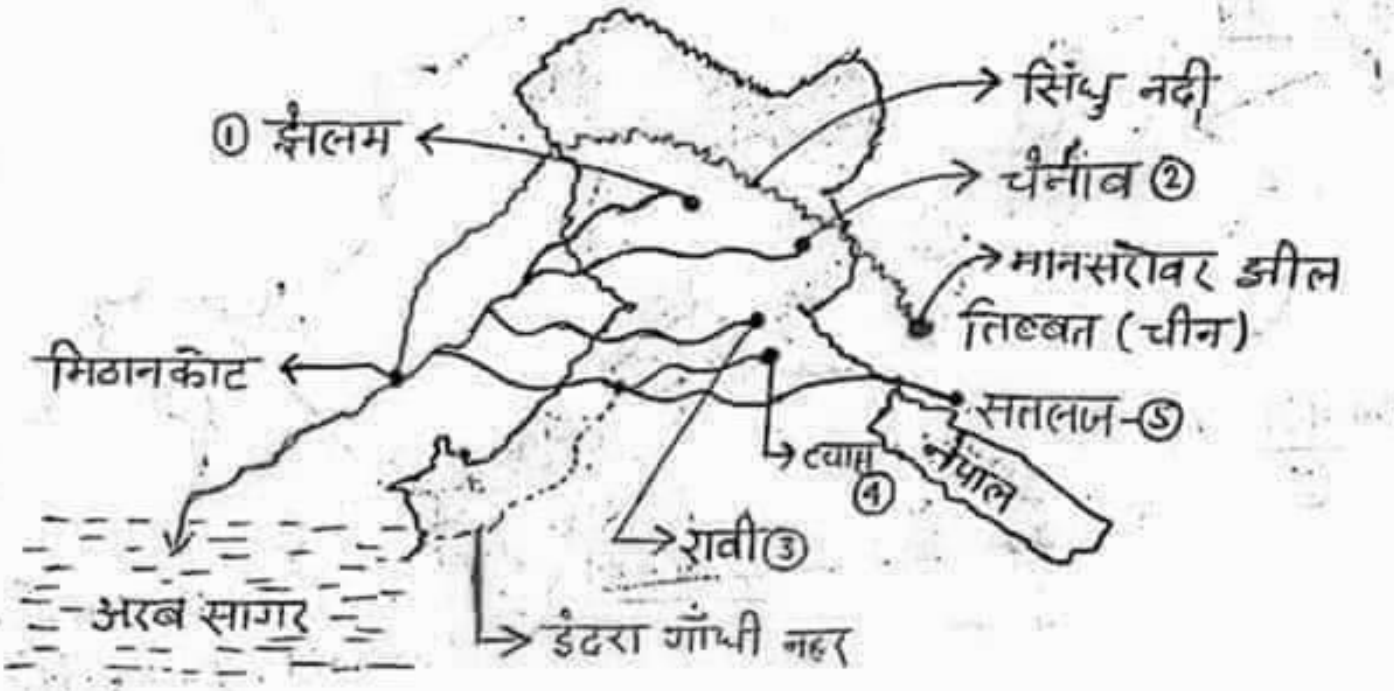

★ तीन देश से होकर बहती है। ★ कुल लंबाई -

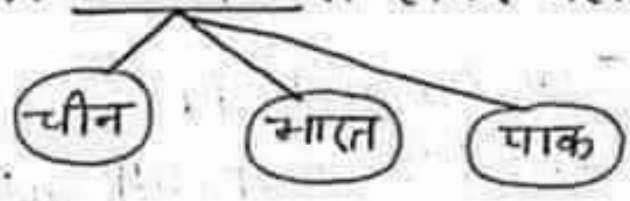

⇒ 2880 KM

- उद्गम स्थल :- चीन के तिब्बत स्थित - मानसरोवर झील से ✓
- उत्तर-पश्चिम दिशा में बहती भारत के लद्दाख के दमचोक में प्रवेश करती है। आगे गिलगित नदी से होते हुए दर्दिस्तान के पास पाक में प्रवेश करती है।
- कराँची के पूर्व से होते हुए अरब सागर में मिल जाती है।
- NOTE :- भारत का लेह शहर - सिंधु नदी के दाँए तट पर स्थित है।

Scanned with CamScanner
Scanned by CamScanner

★ पाँच प्रमुख सहायक नदी

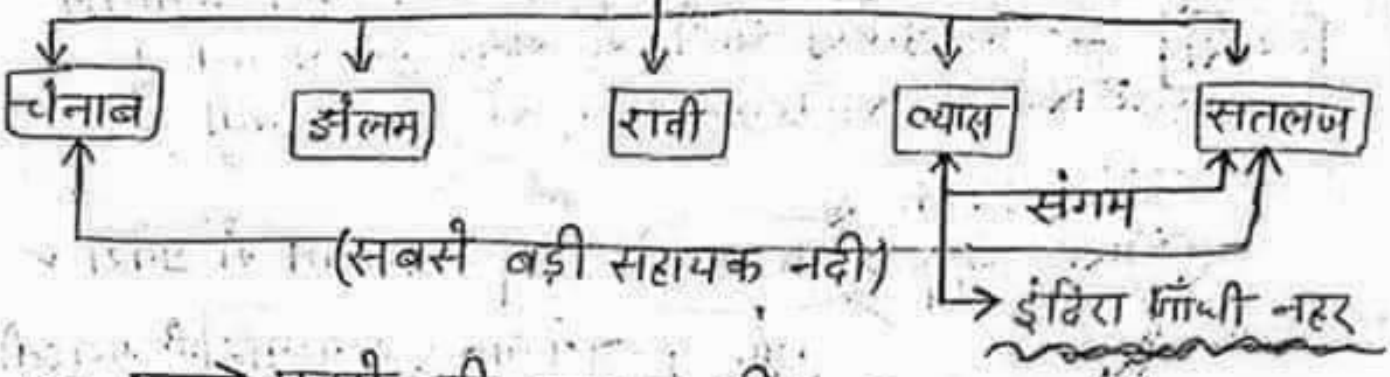

चेनाब | झेलम | रावी | व्यास | सतलज

चेनाब → (सबसे बड़ी सहायक नदी)

व्यास + सतलज → संगम

व्यास → इंदिरा गांधी नहर

① चेनाब
- → सबसे बड़ी सहायक नदी
- → उदगम :- हिमाचल प्रदेश के K12 लाहा दर्रे से होता है।
- → हिमाचल प्रदेश में इसका निर्माण दो नदियों से होता है।
- → पाक से होते हुए सिंधु नदी में मिल जाती है।

चंद्रा + भागा → हिमाचल प्र० में → चंद्रभागा के नाम से ✓

② झेलम
- → उदगम :- कश्मीर घाटी के बैरीनाग के निकट से ✓
- → 170 Km भारत - पाक सीमा का निर्माण करती है।
- → पाक के झंग के निकट चेनाब नदी में मिल जाती है।

③ रावी → हिमाचल प्र० के रोहतांग दर्रे से निकलकर कश्मीर तथा पंजाब होते हुए पाक के झंग के निकट चेनाब में मिल जाती है।

④ सतलज
- → उद्गम :- भारत में (x)- मानसरोवर से
- → तिब्बत के राकस ताल से निकलती है & सिंधु नदी के ।। बहती हुई हिमाचल प्र० में प्रवेश करती है, पंजाब होते हुए पाक के बहावलपुर में चेनाब से मिल जाती है।

• चेनाब में मिलने से पहले इसमें व्यास नदी आकर मिलती है।

Scanned with CamScanner
Scanned by CamScanner

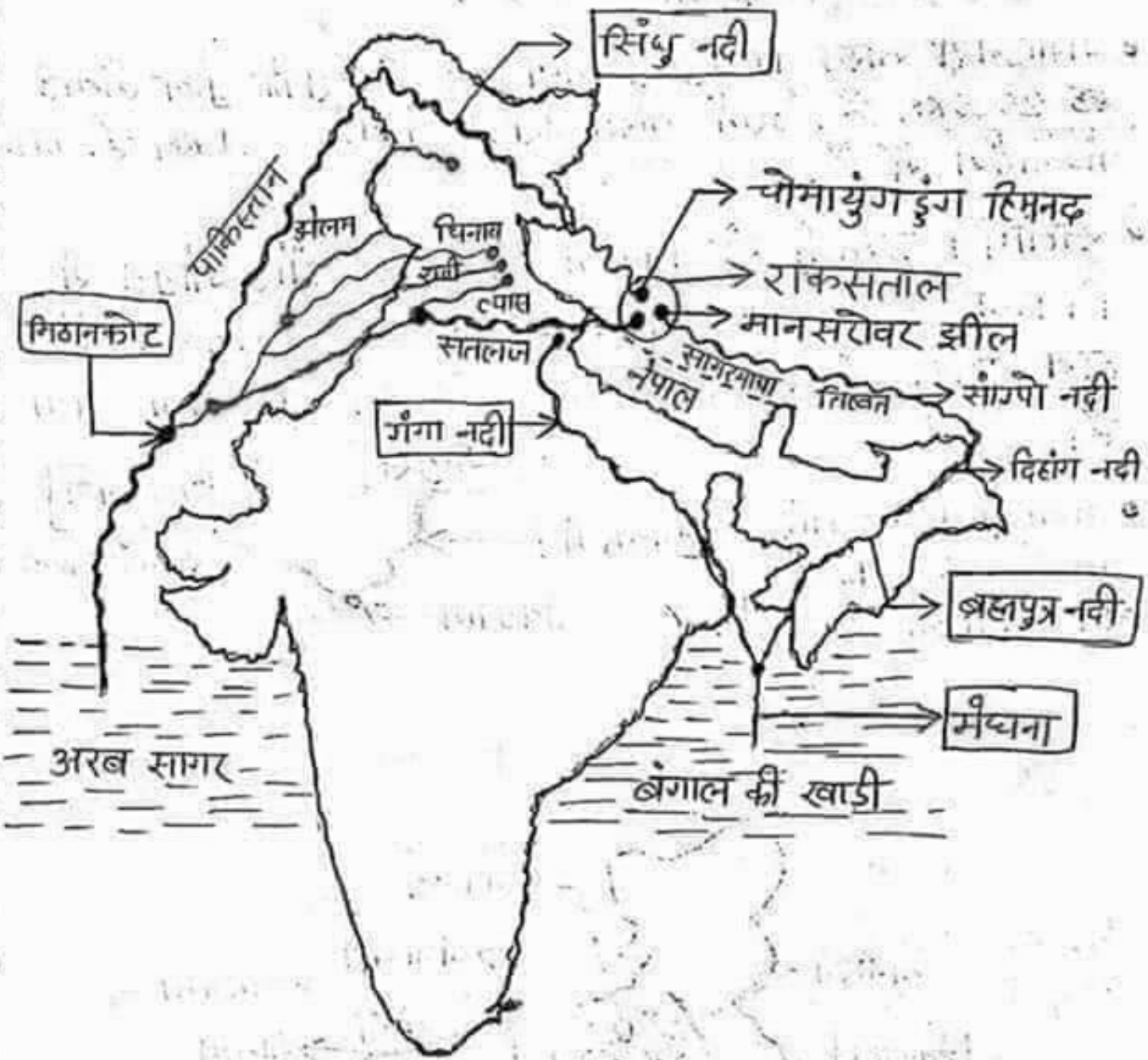

★ हिमालयन नदी

- सिंधु नदी → चीन, भारत, पाक
- ब्रह्मपुत्र नदी → चीन, भारत, बंगलादेश
- गंगा नदी → ~~चीन~~ भारत

Scanned with CamScanner
Scanned by CamScanner

गंगा नदी तंत्र

- गंगा नदी भारत की सबसे लंबी नदी है इसकी कुल लंबाई 2525 KM है। इसमें भारत इसकी लंबाई 2071 KM है, बाकि बांग्लादेश में है।
- सतोपंथ हिमानी से निकली अलकनंदा और गौमुख से निकली भागीरथी नदीं जब देवप्रयाग में मिलती है तब इसका संयुक्त रूप 'गंगा' के नाम से जाना जाता है।
- गंगा नदी कई सारी प्रायद्वीपिय नदी को लेकर प्रवाहित होती है।

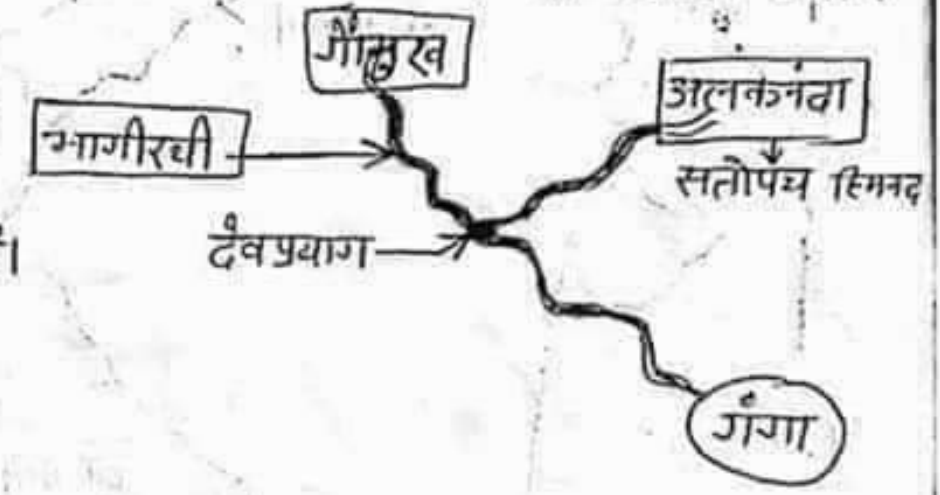

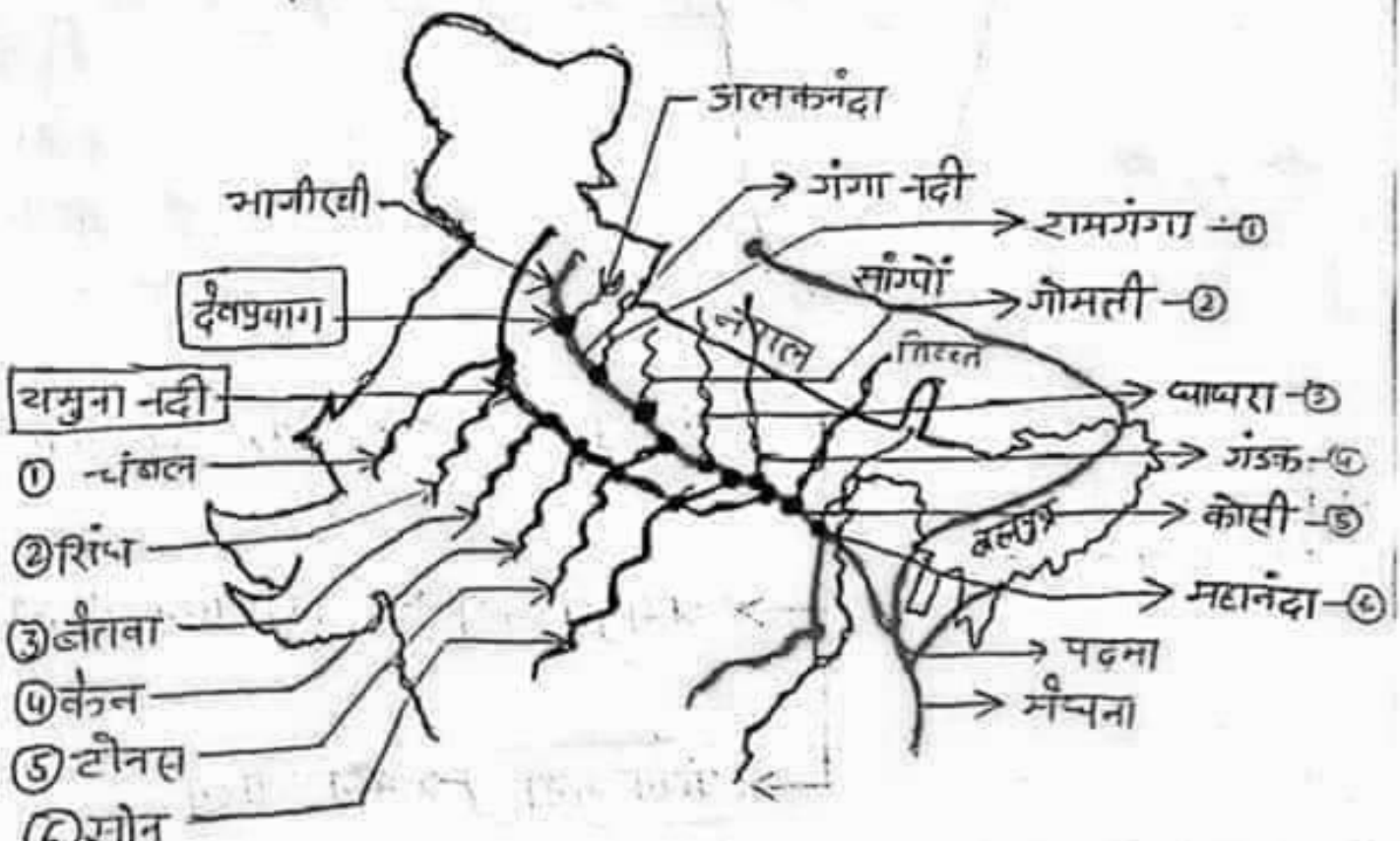

Scanned with CamScanner
Scanned by CamScanner

★ अलकनंदा नदी :- इसका निर्माण दो धाराओं के मिलने से होती है। धौलीगंगा नदी तथा विष्णुगंगा नदी।

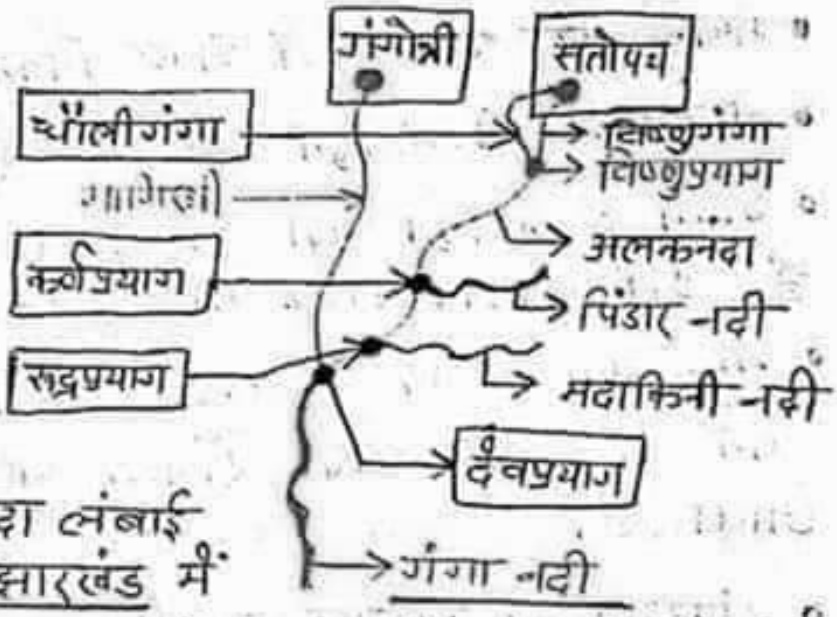

• गंगा नदी भारत में 5 राज्यों से होकर गुजरती है।

① उत्तराखंड ② U·P
③ बिहार ④ झारखंड
⑤ W·B

• गंगा नदी की सबसे ज्यादा लंबाई U·P & सबसे कम लंबाई झारखंड में है।

• गंगा नदी सर्वप्रथम उत्तराखंड के हरिद्वार में पर्वतीय भाग से निकलकर/ हिमालय से निकलकर मैदान में प्रवेश करती है।

• गंगा नदी की सबसे बड़ी सहायक नदी यमुना नदी है।

• W·B में गंगा नदी दो वितरीकाओं में बंट जाती है।

★ वितरीका :- जब नदी समुंद्र की ओर बढ़ती है, तब नदी की कोई धारा उसका साथ छोड़कर दुसरी तरफ मुड़ जाती है, तो उन दोनो धाराओं को वितरीका कहा जाता है।

• W·B में गंगा नदी को भागीरथी नदी कहा जाता है।

• भागीरथी & हुगली → W·B में दक्षिण की ओर बढ़ते हुए बंगाल की खाड़ी में मिल जाती है।

बंग्लादेश में प्रवेश कर जाती है।

• कोलकता - हुगली नदी के किनारे बसा है।

• छोटा नागपुर पठार के बिचोबीच भ्रंस घाटी में बहने वाली दामोदर नदी पुर्व की ओर बहते हुए हुगली नदी से मिल जाती है।

Scanned with CamScanner
Scanned by CamScanner

- गंगा + ब्रह्मपुत्र नदी = पद्मा नदी – बंगलादेश में
- पद्मा नदी आगे चलकर मेघना/बराक नदी में मिलती है।
- मेघना नदी मणिपुर से होकर निकलती है।
- बांग्लादेश में ब्रह्मपुत्र नदी को जमुना कहते हैं।
- गंगा & ब्रह्मपुत्र नदी का डेल्टा विश्व में सबसे बड़ा डेल्टा है। इसे सुंदरवन का ▲ भी कहा जाता है।
- गाद या अवसाद के कारण नदीयों के मार्ग अवरोध किए जाने के कारण नदी सैंकड़ों धाराओं में विभक्त हो जाती है।

- सुंदरवन का विस्तार हुगली नदी से लेकर मेघना नदी तक है।
- सुंदरवन का ▲ मैंग्रोव वनों के लिए जाना जाता है।
  → खारे जल में उगने वाली वनस्पतियाँ

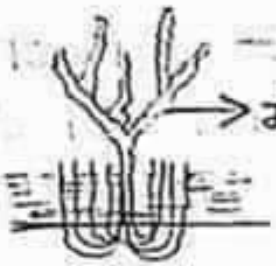

- यहाँ पर मुख्य रूप से मैंग्रोवा, कैंसुरीना, सुंदरी नामक वृक्ष पाए जाते हैं।
- भारत में बेंगाल टाइगर मैंग्रोव वन के अंतर्गत ही पाया जाता है।
- भारत में मैंग्रोव वन का ज्यादा क्षेत्रफल W.B में पाया जाता है।
- दुसरे नंबर पर गुजरात है। तीसरे स्थान पर आंध्र प्रदेश में गोदावरी & कृष्णा नदी के डेल्टाई क्षेत्रों में।

Scanned with CamScanner
Scanned by CamScanner

गंगा की सहायक नदीयाँ

• गंगा की सहायक नदियों को सुविधा की दृष्टि से दो भागों में बाँटा गया है।

① गंगा के दाहिने तट पर मिलने वाली नदीयाँ
② गंगा के बाएँ तट पर आकर मिलने वाली नदियाँ।

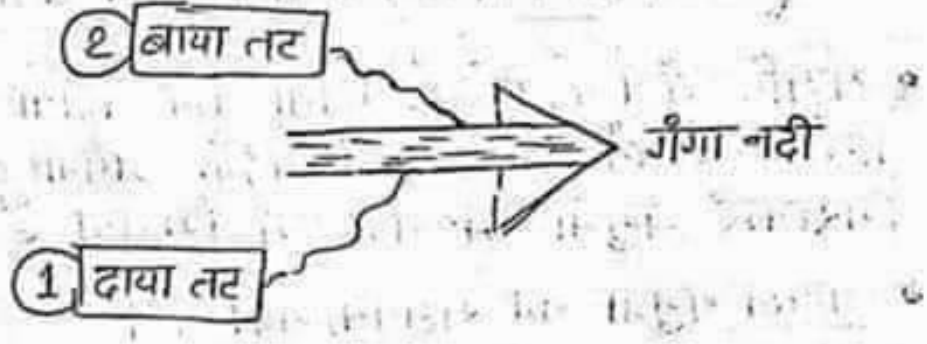

गंगा के दाहिने तट पर मिलने वाली नदियाँ

• गंगा के दाहिने तट पर मिलने वाली नदियाँ मुख्य रूप से प्रायद्विपिय पठार की नदियाँ हैं।
• गंगा की एक मात्र हिमालवी सहायक नदी यमुना नदी है जो कि गंगा के दाएँ तट पर मिलती है।
• गंगा के दाहिने तट पर आकर मिलने वाली नदियाँ निम्न हैं।
① यमुना ② चंबल ③ सिंध ④ बेतवा ⑤ केन ⑥ सोन
⑦ टोनस — पश्चिम से पूर्व की ओर

यमुना नदी

• यमुना, गंगा की एकमात्रा हिमालयी सहायक नदी है, जो इसके दाहिने तट पर आकर मिलती है। क्योंकि गंगा की अन्य हिमालयी सहायक नदियाँ उसके बाँए तट पर आकर मिलती है।
• यमुना नदी उत्तराखंड में बंदरपुछ चोटी पर यमुनोत्री हिमानी से निकलती है। और प्रयागराज में गंगा नदी में मिल जाती है। और संगम का निर्माण करती है।

Scanned with CamScanner
Scanned by CamScanner

- यमुना नदी, प्रायद्वीपीय भारत की सबसे लंबी नदी गोदावरी से छोटी है।
- लंबाई - 1365KM
- गोदावरी की लंबाई - 1460KM

चंबल, सिंध, बेतवा तथा केन नदी

- यद्यपि चंबल, सिंध, बेतवा केन नदीयाँ गंगा नदी तंत्र का ही हिस्सा है लेकिन ये चारों नदियाँ अपना जल सिधे गंगा में न गिराकर यमुना नदी में गिराती है।
- चंबल यमुना की सहायक नदी है।
- ये चारों नदियाँ प्रायद्विपिय पठार के अंतर्गत मालवा के पठार से निकलती है।

टोनस तथा सोन नदी

- केवल यही दो नदियाँ प्रायद्वीपिय भारत के पठार से निकलकर सिधे गंगा नदी से मिलती है।
- टोनस नदी इलाहाबाद जिले में है।
- सोन नदी मैकाल पहाड़ी पर अमरकंटक चोटी से निकलकर पटना के पास गंगा नदी में मिलती है।

Scanned with CamScanner
Scanned by CamScanner

गंगा के बाएँ तट पर मिलने वाली नदियाँ

• यमुना नदी को छोड़कर गंगा की अन्य हिमालयी सहायक नदियाँ उसके बाएँ तट पर आकर मिलती हैं। जिनका पश्चिम से पूर्व की ओर क्रम इस प्रकार है।

① रामगंगा ② गोमती ③ घाघरा ④ गंडक ⑤ कोसी ⑥ महानंदा ।

• इनमें से रामगंगा, गोमती & घाघरा U·P में प्रवाहित होती हैं। जबकि गंडक & कोसी बिहार में तथा महानंदा बिहार & W·B के सीमा पर प्रवाहित होती हैं।

• गोमती नदी गंगा की एक मात्र ऐसी सहायक नदी है जो कि हिमालय से न निकलकर मैदानी क्षेत्र से निकलती है।

• गोमती नदी का उद्गम U·P में तराई के मैदान में स्थित फुलहर झील से होता है।

• लखनऊ & जौनपुर जैसे शहर गोमती नदी के तट पर ही बसा हुआ है।

• गंडक नदी को नेपाल में शालीग्राम/~~काली~~ नारायणी नदी भी कहा जाता है।

• कोशी नदी नेपाल से निकलकर बिहार में गंगा नदी से मिलती है। इसे बिहार का शोक कहा जाता है।

• कोसी नदी नेपाल में हिमालय पर्वत को काटकर बहुत सारी बालू एवं मिट्टी बहाकर लाती है, और बिहार में अपनी रास्ते को अवरुद्ध कर देती है।

• महनंदा नदी गंगा के सबसे पूर्वी/अंतीम सहायक नदी है।

• इसका उद्गम W·B में दार्जलिंग की पहाड़ियों से होता है।

CS Scanned with CamScanner

Scanned by CamScanner

ब्रह्मपुत्र नदी तंत्र

• ब्रह्मपुत्र नदी तीन देशो से होकर प्रवाहित होती है।
① चीन, ② भारत ③ बांग्लादेश

• इस नदी को चार अलग-अलग नामो से जाना जाता है।
★ चीन के तिब्बत पठार पर – सांगपो नदी
★ अरुणाचल प्रदेश में – दिहंग नदी
★ डाफला पहाड़ी में – ब्रह्मपुत्र नदी
★ बांग्लादेश में – जमुना नदी

• ब्रह्मपुत्र नदी हिमालय के उत्तर में तिब्बत पठार पर मानसरोवर झील के पास से निकलती है और हिमालय के साथ-साथ पूरब की ओर बहती है।

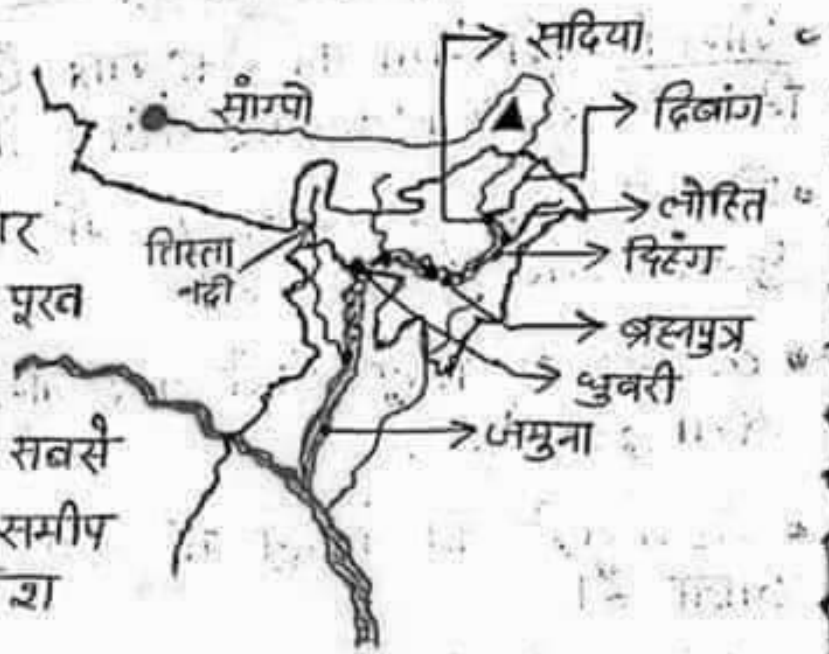

• ब्रह्मपुत्र नदी हिमालय की सबसे पूर्वी चोटी नामचाबरवा के समीप U-turn लेकर A·P में प्रवेश करती है।

• A·P में वृहद हिमालय को काटकर एक गहरे गार्ज का निर्माण करती है। जिसे दिहंग गार्ज कहा जाता है।

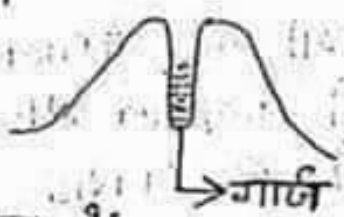

• ब्रह्मपुत्र नदी जब A·P में प्रवेश करती है तब A·P की दो सहायक नदियाँ आकर मिलती है। इसके बाद असम घाटी के मैदान में प्रवेश कर जाती है।

• असम में सादिया से लेकर धुबरी तक ब्रह्मपुत्र नदी पूर्व से पश्चि की ओर प्रवाहित होती है।

• रैम्प घाटी में

CS Scanned with CamScanner
Scanned by CamScanner

• रैम्प घाटी के उत्तर में हिमालय तथा दक्षिण में शिलांग पठार हैं।

• असम में ब्र० नदी गुम्फित जलमार्ग बनाती है। इस गुम्फित जलमार्ग में ब्र० नदि के बिच में कई नदी द्वीप पाए जाते हैं। इन नदी द्वीपों में माजुली सबसे बड़ा द्वीप है।

• माजुली नदी के बिचोबिच है इसलिए यहाँ की भूमि उपजाऊ है। इस पर धान की खेती अत्याधिक की जाती है।

• सदिया से लेकर धुवरी तक प्रवाहित होने के बाद ब्र० नदी अचानक दक्षिण की ओर मुड़कर बांग्लादेश में प्रवेश कर जाती है। जहाँ इसका नाम बदलकर जमुना हो जाता है।

• सिक्किम के जेमू ग्लेशीयर से निकलने वाली तिस्ता नदी बांग्लादेश में जमुना से मिल जाती है।

• बांग्लादेश में जमुना, पदमा नदी से मिलती है & दोनो की संयुक्त धारा पदमा कहलाती है।

• जब मणिपुर से निकलने वाली बराक/मैघना नदी बांग्लादेश में पदमा से मिलती है, तो संयुक्त धारा को मैघना नदी कहा जाता है।

• मैघना नदी भी बंगाल की खाड़ी में गिरती है।

ब्रह्मपुत्र की सहायक नदी

① दिबांग
② लौहित
③ घनश्री
④ सुबानसिरी
⑤ जियाभरैली
⑥ पगलादिया
⑦ मानस – भुटान से निकलती है।
⑧ तिस्ता
⑨ पिथुमारी

Scanned with CamScanner
Scanned by CamScanner

★ दामोदर नदी :- छोटा नागपुर पठार के बिचोबीच भ्रंश घाटी में पूर्व की ओर प्रवाहित होती हुए हुगली नदी में मिल जाती है। ~~अर्थात~~ अर्थात प्रत्यक्ष रूप से बंगाली की खाड़ी में न गिरकर हुगली नदी के माध्यम से अपना जल B·O·B में गिराती है।

★ स्वर्णरेखा नदी :- झारखंड की राजधानी राँची से निकलती है।
• तीन राज्यों से होकर बहती है -
• और ओड़िसा के तट पर अपना सुहाना बनाती है। छोटानागपुर पठार एक औद्योगिक क्षेत्र है इसलिए तामाम औद्योगिक इकाईयों से निकला जो रासायनिक अपशिष्ट होता है। जमशेदपुर इसी नदी के तट पर है।
• अधिक प्रदुषित होने के कारण इसमें जलिय जंतु नही पाए जाते है। इसलिए इसे जैविक मरुस्थल कहा जाता है।

★ वैतरणी नदी :- यह नदि ओड़िसा के क्योंझल पठार से निकलती है, और ओड़िसा तट पर गिरती है।

★ ब्राह्मणी नदी :- यह भी राँची के समिप से निकलती है। & उड़िसा तट पर सुहाना बनाती है।

• Note :- ३ नदियाँ छोटा नागपुर के पठार से निकलती है।-
① दामोदर ② स्वर्णरेखा ③ ब्रह्मणी

★ महानदी :- महानदी, छतिसगढ़ के दंडकारण्य पठार से निकलती है और ओड़िसा में कटक में अपना Δ बनाती है।
• छतिसगढ़ में महानदी के घाटी को छतीसगढ़ बैसीन कहा जाता है। धान का कटोरा

★ गोदावरी नदी :- दक्षिण भारत की सबसे लंबी नदी।
• लंबाई - 1465 KM
• बुढ़ी गंगा भी कहा जाता है।

Scanned with CamScanner
Scanned by CamScanner

• गोदावरी नदी महाराष्ट्र में पश्चिमी घाट पहाड़ी पर स्थित त्र्यंबक नामक स्थान से निकलती है।
• यह तीन राज्यों में प्रवाहित होती है।
① महाराष्ट्र ② तेलांगाना ③ आंध्र प्रदेश
• राजमुंद्री के पास अपना Δ बनाती है।
• सहायक नदी - दक्षिण से होकर - मंजिरा, उत्तर - प्रवरा, पूर्णा, वैनगंगा, पैनगंगा, प्राणहिता, इन्द्रावती, मंजीरा।
• वैनगंगा - गोदावरी की सबसे लंबी सहायक नदी।
★ कृष्णा नदी :- द० भारत की दूसरी सबसे लंबी नदी।
• यह नदी महाराष्ट्र में पश्चिमी घाट पर्वत पर महाबलेश्वर चोटी से निकलती है, & चार राज्यों से होकर गुजरती है।
① महाराष्ट्र ② कर्नाटक ③ तेलांगाना ④ आंध्र प्रदेश
• विजयवाणा के समीप अपना ▲ बनाती है।
• कृष्णा & गोदावरी का Δ आपस में मिला हुआ है।
• आंध्र प्रदेश के तट पर कृष्णा & गोदावरी Δ के मध्य में कोलेरू झिल है।
• सहायक नदी - तुंगभद्रा, घाटप्रभा, मालप्रभा, डूधगंगा, पंचगंगा, भीमा, कोयना, मूसी।
• इनमें से तुंगभद्रा नदी पश्चिमी घाट पर्वत पर दो धाराओं के रूप में निकलती है तुंगा & भद्रा। यह कृष्णा की सबसे लंबी सहायक नदी है। दक्षिण दिशा से बहकर आती है।
• हैदराबाद - मुसी नदी के तट पर स्थित है।
★ पेन्नार नदी :- कावेरी & कृष्णा के मध्य में है।
• कर्नाटक में कोलार नामक स्थान से निकलती है।
• आंध्रप्रदेश में सुहाना बनाती है।
★ कावेरी नदी :- कर्नाटक में पश्चिमी घाट पर्वत पर ब्रह्मगीरी पहाड़ी से निकलती है।

Scanned with CamScanner
Scanned by CamScanner

- दो राज्यों से होकर गुजरती है - कर्नाटक & तमिलनाडु
- इस नदी को दक्षिण गंगा के नाम से भी जाना जाता है।
- इस नदी की घाटी धान उत्पादन के लिए प्रसिद्ध है।
- Rice Ball of South India
- कावेरी नदी जल विवाद - तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, A.P
- सहायक नदी - सिमसा, अर्कावती, हेमवती, अमरावती, काबीनी, लक्ष्मणतीर्थ, लोकपावनी।
- द० भारत की एक मात्र ऐसी नदी जिसमें जल की मात्रा वर्ष भर बनी रहती है।
- दो स्रोतो से वर्षा जल ग्रहण करता है।

① उपरी जलग्रहण क्षेत्र में - द० प० मानसुन से

② निचले जलग्रहण क्षेत्र में - कोरोमंडल तट पर - उ० पूर्वी मानसुन से।

★ वैगाई नदी :- तमिलनाडु में वरूषनाद पहाड़ी से निकलती है।
- मदुरै इसी नदी के तट पर है।
- रामेश्वरम के पास अपना मुहाना बनाती है तथा पाक की खाड़ी में।

★ ताम्रपर्णी नदी :- कार्डमम पहाड़ी पर एक चोटी अगस्त्यमलाई से निकलती है & मन्नार की खाड़ी में अपना जल गिराती है।

Scanned with CamScanner

Scanned by CamScanner

अरब सागर में जल गिराने वाली नदियाँ

• अरब सागर में जल गिराने वाली नदियों का उत्तर से दक्षिण की ओर क्रम -

① लुनी ② साबरमती ③ माही ④ नर्मदा ⑥ तापी ⑦ मॉंडवी ⑧ जुआरी ⑨ सरावती ⑩ गंगावॅली ⑪ पॅरियार ⑫ भरतपूझा

• अरब सागर में जल गिराने वाली प्र० भारत की चार नदियाँ खंभात की खाड़ी में गिरती हैं।

① साबरमती ② माही ③ नर्मदा ④ तापी

• प्र० भारत की लुनी नदी समुद्र तट पर नही पहुँच पाती है। समुद्र तट पर पहुँचने से पहले ही कच्छ के रण में/ दलदल में विलिन हो जाती है।

• नर्मदा और तापी नदियाँ प्रा० भारत की अरब सागर में जल गिराने वाली नदियों में से भ्रंस घाटी में प्रवाहीत होती है।

• नर्मदा भ्रंस घाटी - सतपुड़ा पहाड़ी के उत्तर में

• तापी भ्रंस घाटी - " " " दक्षिण में

• नर्मदा एवं तापी नदियाँ प्रा० पठार के सामान्य ढ़ाल के विपरीत अपनी भ्रंस घाटी में पश्चिम की ओर प्रवाहित होती है & खंभात की खाड़ी में जल गिराती है।

• पश्चिमी घाट से बहुत से छोटे-छोटी नदियाँ निकलक अरब सागर में गिरती है। & बहुत ही तीव्र ढ़लान से बहती है साथ ही झरनो/प्रपातों का निर्माण करती है।

Scanned with CamScanner

Scanned by CamScanner

- यह तीन राज्यों से होकर प्रवाहित होती हैं। M.P, राजस्थान & गुजरात ।
- माही नदी राजस्थान में कर्क रेखा को दो बार काटती है।

★ नर्मदा नदी :- प्रा० भारत की सबसे लंबी नदी जो अरब सागर में अपना जल गिराती हैं।

- यह गोदावरी तथा कृष्णा के बाद तीसरी सबसे बड़ी प्रा० भारत की नदी है।
- यह नदी मैंकाल पर पहाड़ी पर स्थित अमरकंटक चोटी से निकलकर पश्चिम में अपनी भ्रंस घाटी में प्रवाहित होती हैं और भड़ौंच के पास खंभात की खाड़ी में अपना मुहाना बनाती हैं।
- जबलपुर & भड़ौंच नर्मदा नदी के तट पर स्थित हैं।
- तीन राज्यों से होकर बहती हैं। M·P, महाराष्ट्र & गुजरात
- सर्वाधिक लं० = मध्य प्रदेश में ।
- यह नदी जबलपुर में के पास भेडाघाट की संगमरमर की चट्टानो में जलप्रपात बनाती हैं।
- नाम - धुवाधार जल प्रपात / कपिल धारा ।

★ तापी नदी :- महादेव पहाड़ी के पास बैतुर पठार से निकलती हैं और सतपुड़ा के दक्षिण में अपने भ्रंस घाटी में प्रवाहित होती हैं तथा सूरत के समिप खंभात की खाड़ी में अपनी जल गिराती हैं।

- सूरत तापी नदी के मुहाने पर स्थित हैं।
- अरब सागर में जल गिराने वाली तापी नदी प्रा० भारत की दुसरी सबसे लंबी नदी हैं।
- तीन राज्य से होकर बहती हैं।

① M·P ② महाराष्ट्र ③ गुजरात

Scanned with CamScanner
Scanned by CamScanner

• गुजरात में दो जलविद्युत परियोजना प्रसिद्ध हैं।
① उकाई ② काकरापार – तापी नदी पर स्थित हैं।

★ सह्याद्री / पश्चिमी घाट से निकलकर अरब सागर में जल गिराने वाली नदियाँ :-

• ये नदियाँ बहुत ही छोटी-छोटी हैं।
• ये तीव्र गति से प्रवाहित होती हैं। क्योंकि पश्चिमी घाट का पश्चिमी ढाल कगारनुमा है।
• इस नदीयों के लिए जल के दो स्त्रोत हैं।

① जुन - सितंबर तक - द०प० मानसुन के द्वारा पश्चिमी घाट से टकराकर खुब वर्षा करता है।
② घा० पठार के दरारों में संचित जल शुष्क मौसम में इन नदियों को मिलता रहता है।

• सह्यादी से अरब सागर में जल गिराने वाली नदियो का क्रम-
★ गुजरात – शतरंजी & मादर नदी
★ गोवा – मांडवी & जुआरी नदी
  └> पणजी
★ कर्नाटक – सरावती & गंगावेली नदी
★ केरल – भरतपुझा, पेरियार & पाम्बा नदी
  └> सबसे लंबी नदी
  └> पेरियार 2सरी लंबी नदी

• चुकी ये नदियाँ कगार से होकर गुजरती हैं इसलिए ये प्रपाती हैं।
• ये नदियाँ जलप्रपातो / झरनो का निर्माण करती हैं।
• कर्नाटक में सरावती नदी पर जोग जलप्रपात । – 271 m

अन्य नाम
→ गरसोप्पा
→ महात्मा गाँधी

Scanned with CamScanner
Scanned by CamScanner

★ Note :- भारत का **सबसे ऊँचा सिधा गिरने वाला** झरना जोग है।

• लेकिन भारत का **सबसे ऊँचाई** पर स्थित जलप्रपात कुंचीकल है।

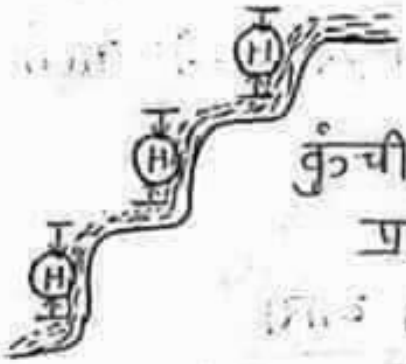

कुंचीकल जल प्रपात

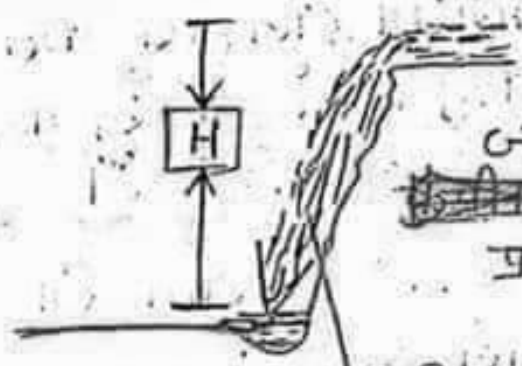

जोग जल प्रपात

→ सिधा गिरने वाला

• चुकि ये अत्याधिक प्रपाति हैं इसलिए यहाँ पर जल विद्युत उत्पादन की संभावना अधिक होती है।

• यहि कारण है कि पश्चिमी घाट पर जल विद्युत परियोजनाओं का तेजी से विकास हुआ है।

Scanned with CamScanner

Scanned by CamScanner

भारतीय जलवायु

- भारत में मानसूनी जलवायु पायी जाती है। क्योंकि यह मानसून पवनों के प्रभाव क्षेत्र के अन्तर्गत आता है।
- यह वायुमंडल के ताप और आद्रता / नमि पर निर्भर करती है।
- भारत एक उष्णकटीबंधिय मानसूनी जलवायु वाला देश है।

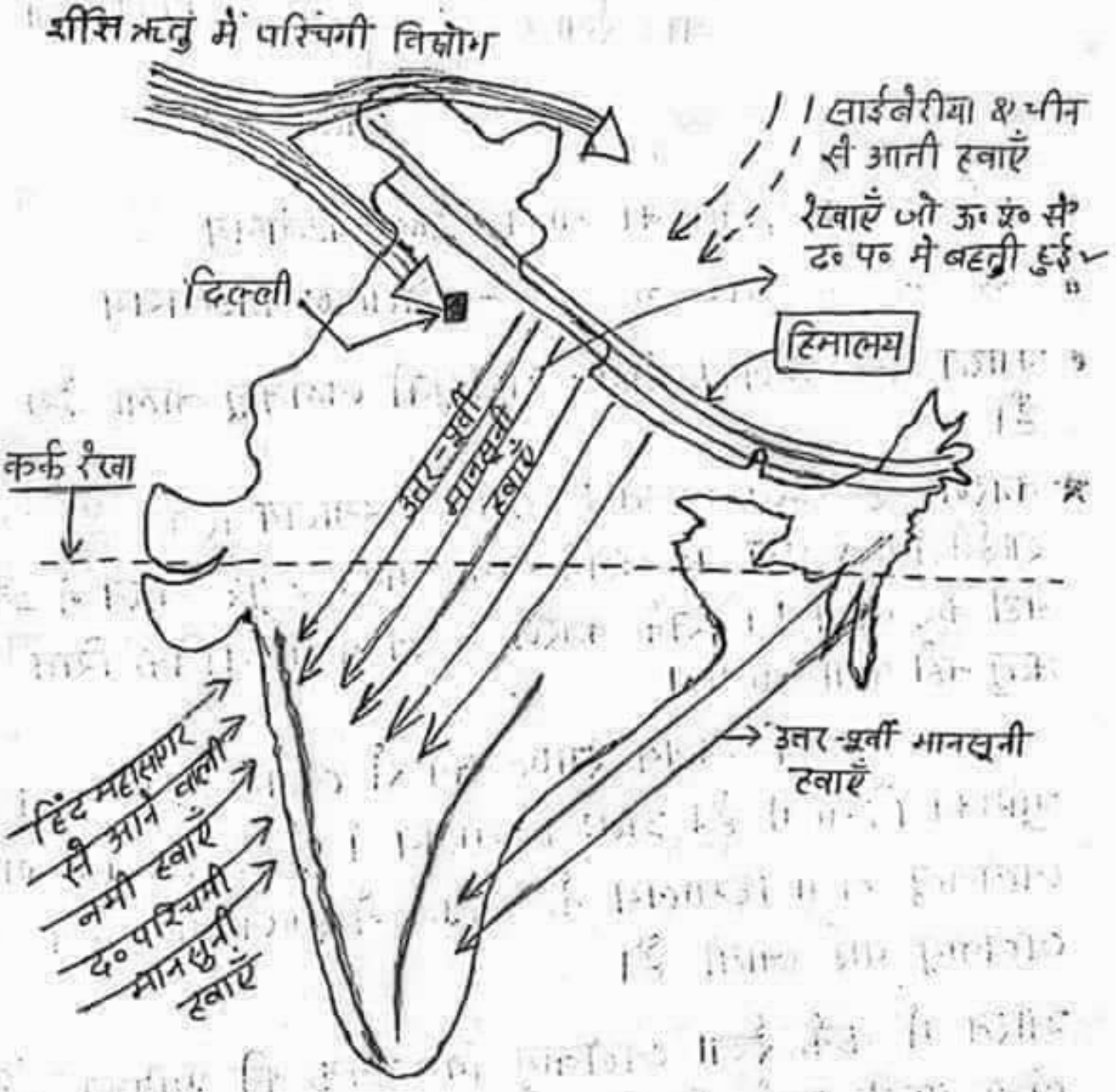

- कर्क रेखा और मकर रेखा के बिच के क्षेत्र को ही उष्णकटिबंधीय क्षेत्र कहा जाता है।

Scanned with CamScanner
Scanned by CamScanner

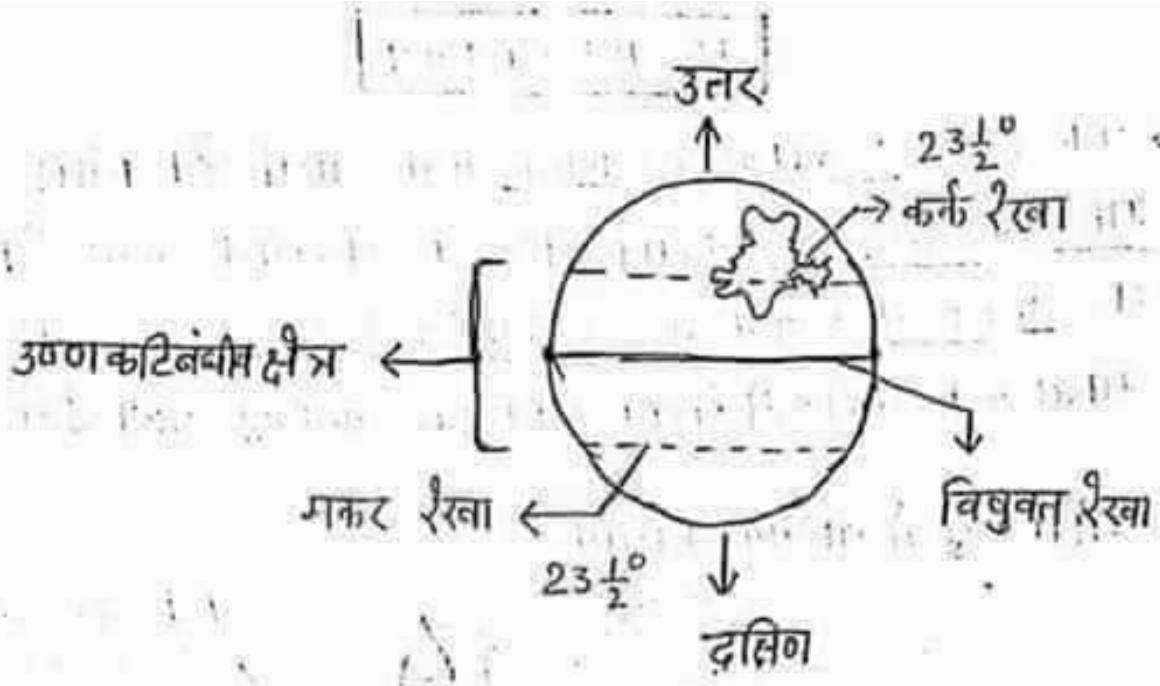

- कर्क रेखा के दक्षिण का भारत - उष्णकटिबंधिय
- " " " उत्तर " " - शितोष्ण कटिबंधिय
- भारत एक उष्णकटिबंधिय मानसुनी जलवायु वाला देश है।

★ कारण - ① भारत की उत्तरी सीमा पर हिमालय स्थित है। साईबेरीया & चीन में चलने वाली ध्रुविय हवाएँ भारत में प्रवेश नही कर पाती। जिसके कारण भारत में वास्तविक शित ऋतु नही पायी जाती।

हिमालय स्पष्ट रूप से जलवायु विभाजन की भुमिका निभाती है। अतः हिमालय के उत्तर में शितोष्ण जलवायु तथा हिमालय के दक्षिण में उष्णकटिबंधिय जलवायु पाई जाती है।

भारत में कर्क रेखा जलवायु विभाजक की भुमिका नही निभा पाती इसके विपरीत हिमालय एक अच्छा विभाजक होता है।

Scanned with CamScanner
Scanned by CamScanner

(11) कर्क & मकर रेखाओं के बिच उष्णकटिबंधिय क्षेत्र होने के कारण इस क्षेत्र में सागर जल अत्याधिक गर्म हो जाता है।

लेकिन हिमालय, हिंद महासागर से आने वाली नमी वाले हवाओं को रोककर वर्षा कराता है।

हिमालय के उपस्थिति के कारण हि दिल्ली में भी वर्षा होती है।

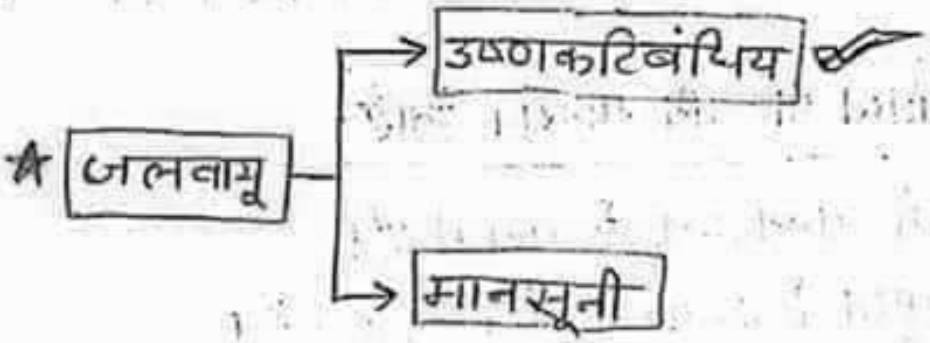

★ जलवायु
- → उष्णकटिबंधिय ✓
- → मानसूनी

★ भारत एक मानसुनी जलवायु वाला देश कैसे है?

- मानसुन एक अरबी भाषा का शब्द है जिसका अर्थ मौसम होता है। मौसम परिवर्तन के साथ हवाओं के दिशा में भी विपरीत परिवर्तन

- भारत में दो प्रकार की मानसुनी हवाएँ पाई जाती है।
  - → ① उत्तर पूर्वी मानसुनी हवाएँ
  - → ② दक्षिणि पश्चिमि मानसुनी हवाएँ

- जो हवाएँ भारत में उत्तर - पूर्व दिशा से बहकर आती है। उत्तर-पूर्वी मानसुनी हवाएँ ✓ (शित ऋतु में)

- यह स्थलखंड से बहकर आती है। इसलिए इसमें नमी की मात्रा नही होती है, यहि कारण है कि उ॰ पू॰ मानसून अधिकांश भारत में वर्षा करने में सक्षम नही हो पाती है।

CS Scanned with CamScanner

Scanned by CamScanner

- अपवाद - उ० पूर्वी मानसुन का वह भाग जो पूर्वोत्तर भारत के ऊपर से होकर प्रवाहित होता है, जब वह बंगाल की खाड़ी के ऊपर पहुँचती है, तब वह सागर से प्रयाप्त नमी ग्रहण कर लेती है। ये हवाएँ तमिलनाडु में पहुँचकर पूर्वी घाट से टकरा जाती हैं।

  यही कारण है कि तमिलनाडु के कोरामंडल तट पर शित ऋतु में भी वर्षा होती है।

- उ० पू० मानसुन बंगाल की खाड़ी से नमी ग्रहण करता है।

दक्षिणी पश्चिमी मानसुन हवाएँ

- ये हवाएँ भारत में ग्रीष्म ऋतु में चलती हैं।
- द० प० मानसुन भारत के द० प० से बहकर आता है।
- भारत में १०% वर्षा इसी मानसुनी हवाएँ के कारण होती है।
- यह पूरे भारत में वर्षा करता है।

भारत में वर्षा

- भारत में दो ऋतुओं में वर्षा होती है।

ग्रीष्म ऋतु में

- इसमें होने वाली वर्षा 1 जुन से 15 सितम्बर तक चलती है।
- यह वर्षा दक्षिणी पश्चिमी मानसून से होती है।
- यह वर्षा हिंदमहासागर से होकर आने वाली अत्याधिक आद्रतायुक्त हवाओं के कारण होती है।
- यह सबसे पहले 1-जुन को पश्चिमी घाट से टकराकर केरल के मालाबार तट पर वर्षा करता है।
- इसके बाद क्रमशः 22 जुलाई तक पूरे भारत में फैल जाता है।
- द०प० मानसुन पूरे भारत में वर्षा करता है - लेकिन - यह कोरोमंडल तट, आंध्र तट & उड़ीसा तट पर वर्षा नही कर पाता।

शित ऋतु में

Scanned with CamScanner
Scanned by CamScanner

शीत ऋतु में

- यह वर्षा भारत में लगभग 20 Dec से प्रारंभ होकर मार्च तक चलती है।
- यह वर्षा दो तरह की हवाओं से होती है।

① पश्चिमी विक्षोभ से

- यह एक शीतोष्ण चक्रवात है।
- इसका जन्म भारत के प० में भूमध्य सागर में होता है।
- जन्म लेने के बाद यह पूर्व को प्रवाहित होने लगता है।
- जब यह भारत में प्रवेश करता है, तब इसे पश्चिमी विक्षोभ कहा जाता है।
- मुख्य रूप से यह पश्चिमोत्तर भारत में वर्षा कराती है।
- इसके द्वारा होने वाली वर्षा पहाड़ी क्षेत्रों में हिमपात की तरह होती है।
- जबकि पंजाब, हरियाणा & दिल्ली में जल, बूंदों के रूप में होती है।
- पहाड़ी राज्य & मैदानी राज्य

② उत्तर पूर्वी मानसून से

- भारत में शीत ऋतु में इस मानसून का प्रभाव होता है।
- ये अधिकांश भारत में वर्षा नहीं करा पाती है, लेकिन इसके अंतर्गत जो हवाएँ बंगाल की खाड़ी से होकर गुजरती है, उनमें प्रयाप्त नमी आ जाती है। और ये हवाएँ पूर्वी घाट से टकराकर तमिलनाडु के कोरोमंडल तट पर वर्षा करती है।

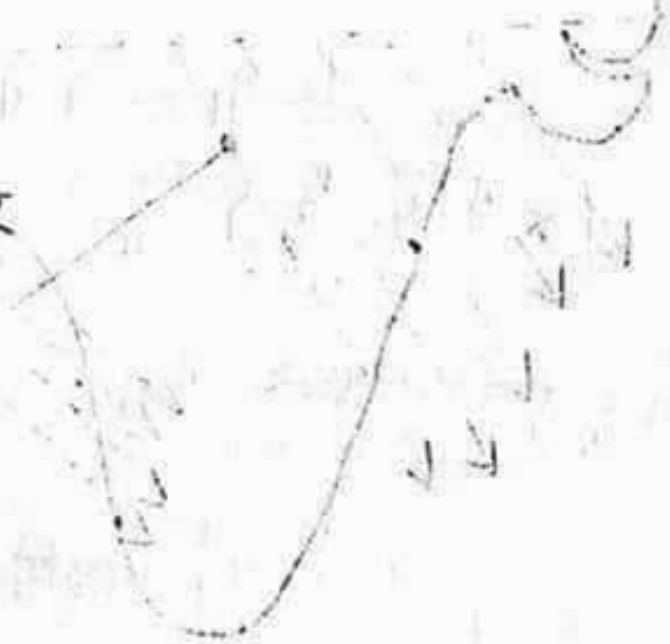

Scanned with CamScanner
Scanned by CamScanner

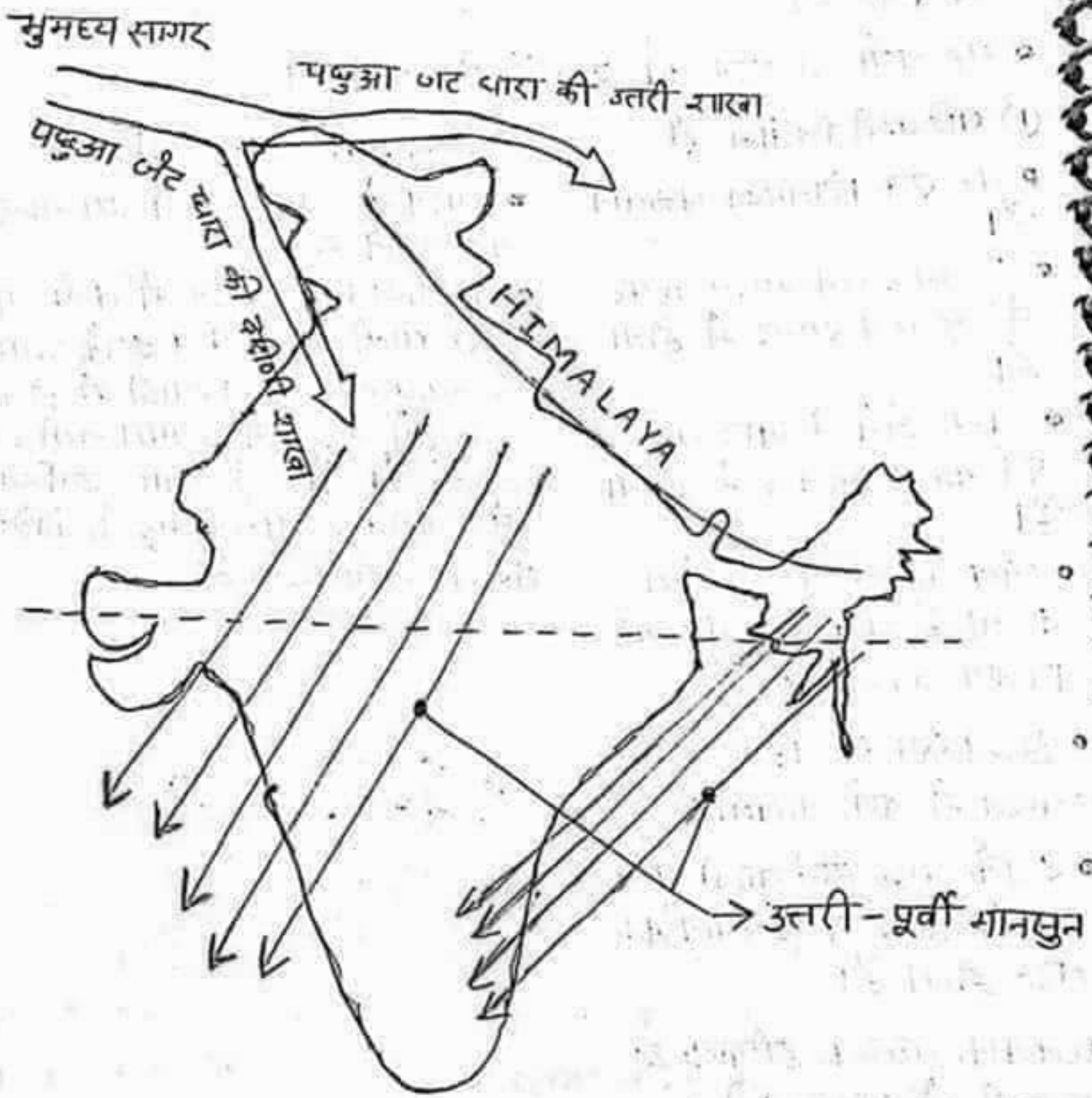

शीत ऋतु में मौसम की क्रियाविधि

- हिमालय के उत्तर में एक महत्वपूर्ण परिघटना घटती-रहती है।

★ जेट धारा - शीत ऋतु के दौरान हिमालय के उत्तर में, मध्य एशिया, तिब्बत & चीन में धरातल से 06 से 12Km की ऊँचाई पर

Scanned with CamScanner
Scanned by CamScanner

चलने वाली शक्तिशाली धाराओं को जेट धारा कहा जाता है।

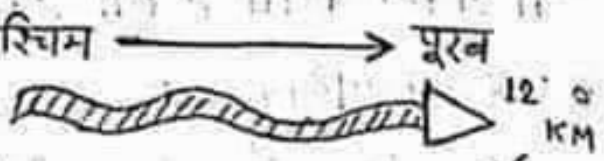

धरातल

- शीतऋतु में सूर्य जब दक्षिणायन होता है तो जेट धारा भी दक्षिण की ओर खिसक आती है। परिणामस्वरूप हिमालय, जेट धारा के मार्ग में आ जाता है। जिस कारण जेट धारा दो शाखाओं में बट जाती है।

① पछुआ जेट धारा की उत्तरी शाखा
② " " " " दक्षिणी "

- पछुवा जेट धारा की दक्षिणी शाखा हिमालय के दक्षिण में उत्तर भारत के मैदान के ऊपर पश्चिम से पूर्व की ओर प्रवाहित होने लगती है।

- पश्चिमी विक्षोभ के कारण ही शीत ऋतु में उत्तर भारत में वर्षा होती है।

पश्चिमी विक्षोभ

- यह एक शितोष्ण चक्रवात है।
- शीत ऋतु में युरोप में भुमध्य सागर पर बनने वाले शितोष्ण चक्रवात, जेट धारा के द्वारा पश्चिम से पूर्व की ओर प्रवाहित होने लगता है।
- भुमध्य सागर, काला सागर & कैस्टीयन सागर के ऊपर से प्रवाहित होने के कारण शितोष्ण चक्रवात में नमी ग्रहण कर ली जाती है।

Scanned with CamScanner
Scanned by CamScanner

- यह शीतोष्ण चक्रवात पछुआ जट धारा के माध्यम से जब गात में प्रवेश करती है जो इसे हम पश्चिमी विक्षोभ कहते हैं।
- यह आत्यधिक आद्र हवाएँ होती हैं।
- पश्चिमी विक्षोभ द्वारा होने वाली वर्षा उत्तर भारत के पहाड़ी राज्यों में हिमपात के रूप में होती है। जबकी पश्चिमोत्तर भारत के मैदानी राज्यों में जल बूँदों के रूप में होती है।
- यदि डलमें नमी की मात्रा अच्छी-खासी रहे तो प० बिहार तक वर्षा हो जाती है।
- इस समय भारत में रबी फसल की बुआई हो रही होती है।
- हिमालय में - सेव के लिए

शित ऋतु में मौसम की क्रिया-विधि -

★ उत्तर-पूर्वी मानसून

- शीत ऋतु में भारत में केवल पश्चिमी विक्षोभ से वर्षा नही होती अपितु उ० पूर्वी मानसुन से भी होती है।
- उत्तरी पूर्वी मानसुन से तमिलनाडु के कोरोमंडल के तट पर वर्षा प्राप्त होती है।
- सूर्य की लंबवत किरणें कर्क & मकर रेखा के बिच विचलन करती है, अर्थात सूर्य उत्तायन तथा दक्षिणायन होता है। इसके चलते ITCZ (Inter tropical Convergence zone - अंतः उष्णकटिबंधीय विसरण क्षेत्र भी उत्तर & दक्षिण की ओर घुमते रहता है।

ITCZ - हवाओं को टकराकर ऊपर उठने का क्षेत्र -

Scanned with CamScanner
Scanned by CamScanner

- चुकी उत्तर पूर्वी व्यापारीक पवनें स्थलखंड से बहकर आ रही है इसलिए इन पवनों में नमी की मात्रा नगण्य होती है।
- उ० पू० पवनों का वह भाग जो बंगाल की खाड़ी से ऊपर की ओर प्रवाहित होती है, इस क्रम में खाड़ी से प्रयाप्त मात्रा में नमी चुरा लेती है।
- यह तमिलनाडु में पहुचकर पूर्वी घाट से टकराकर वर्षा कर देती है।
- इसलिए इसे उ० पू० मानसुन कहा जाता है।

ग्रीष्म ऋतु में मौसम की क्रियाविधी

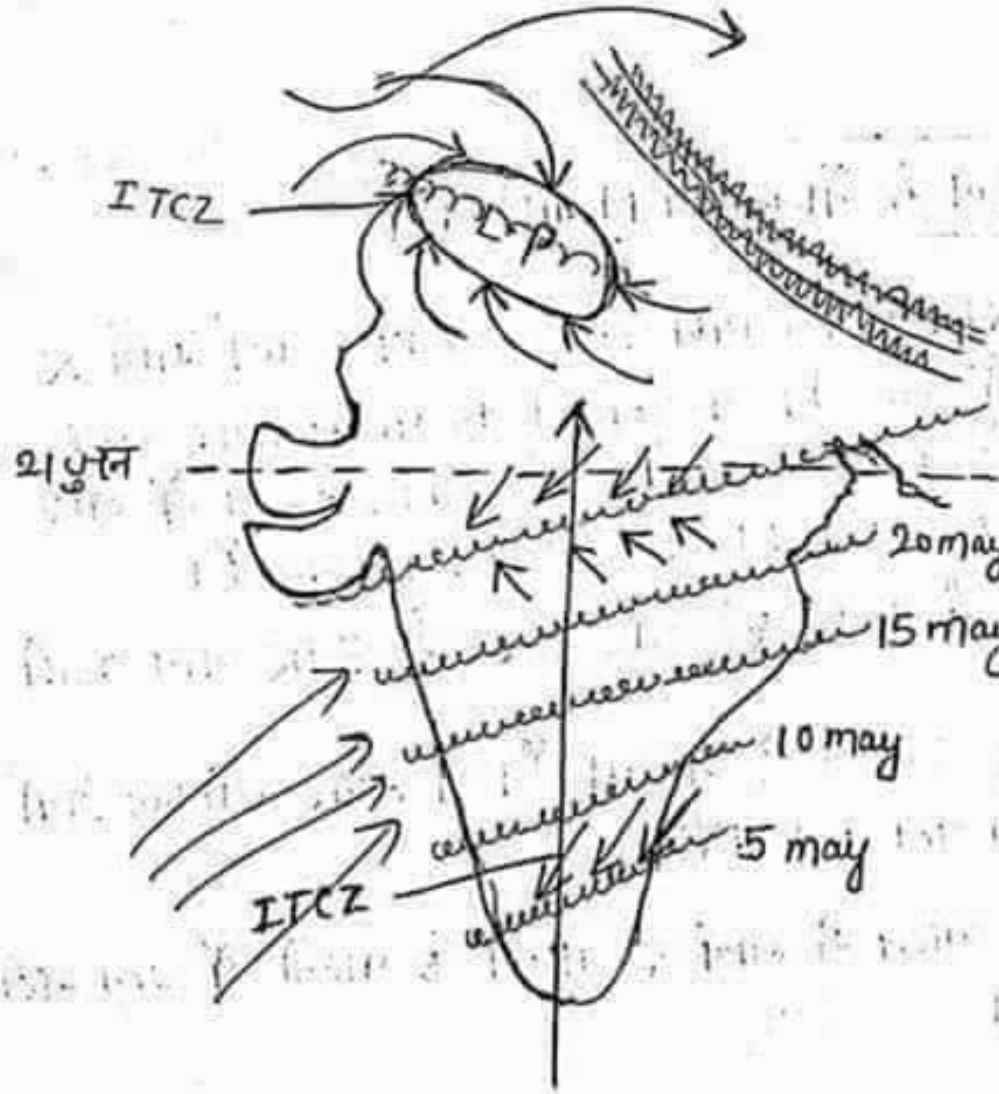

Scanned with CamScanner
Scanned by CamScanner

- 22 march को सूर्य विषुवत रेखा पर होता है, इसके बाद सूर्य उत्तरायण होने लगता है। & 21 June तक सूर्य कर्क रेखा तक पहुँच जाता है।

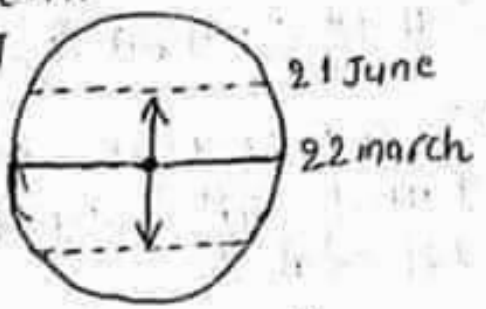

- 22 march के बाद जब सूर्य उत्तरायण होने लगता है, तो उसके साथ-साथ ITCZ भी खिसकने लगता है। सूर्य के उत्तरायण से ही उत्तरी गोलार्द्ध में गर्मी बढ़ने लगती है।
- जैसे-जैसे ITCZ उत्तर की ओर बढ़ता जाता है, पछुवा जट धारा की दक्षिणी शाखा कमजोर पड़ जाती है, जिसके परिणाम स्वरूप अब पछुआ जट धारा हिमालय के उत्तर मे प्रवाहित होने लगती है।

मार्च & अप्रिल में मौसम की क्रियाविधि

- 22 मार्च के बाद सूर्य के उत्तरायण होने के साथ-साथ मार्च & अप्रैल के महिनों में भारतीय उपमाद्वीप का पश्चिमोतर भाग गर्म होने लगता है, जिसके चलते पश्चिमोतर भारत में वायु-मंडल में एक निम्न दबाव का केन्द्र विकशित होता है।
- LP क्षेत्र को भरने के लिए पूरे उत्तर भारत में हवाएँ चल पड़ती हैं।
- ये हवाएँ टकराकर ऊपर उठने लगती हैं। ये हवाएँ लोकल होती हैं, इसलिए ये वर्षा नही करा पाती।
- इसलिए पूरे उत्तर-भारत में मार्च & अप्रिल के महिनों में धुल भरी आँधिया चलती हैं।

Scanned with CamScanner
Scanned by CamScanner

मई का मौसम

- मई महिने के प्रारंभ में ITCZ भारतीय उपमहाद्वीप के दक्षिणी छोर पर प्रवेश कर जाता है।
- जिसके चलते दक्षिणी भारत में हवाएँ निम्न दाब की ओर आकर्षित होती है। & टकराकर उपर उठती है। जिसके परिणामस्वरुप दक्षिण भारत में वर्षा होती है। क्योंकी समुन्द्र यहाँ पर बहुत नजदीक होने के कारण दक्षिण भारत के वायुमंडल में नमी की मात्रा अपेक्षाकृत अधिक होती है।
- ये वास्तव में मानसुनी वर्षा नही है, वास्तव में इसे मानसुन पूर्व फुहार कहा जाता है।
- यह मुख्य रूप से केरल, कर्नाटक & तामिलनाडु में रहता है।
- ITCZ जब लागातार उपर की ओर खिसकता रहता है, और माई महिने के अंत में ITCZ ~~जब~~ जब कर्क रेखा के आस-पास पहुँच जाता है तो W.B मौसमी हलचल का केन्द्र बन जाता है।
- मई महिने के अंत में W.B में या तो तेज धुल भरी आंधिया बहती है या फिर यदि नमी है, तो मुसलाधार वर्षा कराती है।
- इसलिए इसे काल वैशाखी घटना भी कहा जाता है।

जुन का महिना

- हालाकी सूर्य की लंबवत किरणें कर्क रेखा पर 21 June को पहुँचती है लेकिन स्थलखंड, समुंद्र के अपेक्षा जल्द गर्म हो जाता है। इसलिए 1 June तक आते-आते ITCZ स्वयं को पश्चिमोतर भारत में स्थापित कर लेता है। जिसके चलते प० भारत में निम्न दबाव का केन्द्र और अधिक शक्तिशाली हो जाता है। ये आस-पास के हवाओं को शक्ति के साथ आकर्षित करता है। जिसके चलते अंतिम मई तथा शुरुआती जुन के महिनो में

Scanned with CamScanner
Scanned by CamScanner

पूरे उत्तर भारत में बहुत ही गर्म हवाएँ चलती है इन्ही गर्म हवाओं को 'लू' कहा जाता है।

- लू नामक गर्म तथा शुष्क हवाएँ उत्तर भारत में चलती है।
- जब प० भारत में विकसित अंत: उष्णकटिबंधिय अविसरण क्षेत्र या विषुवत रैखिय निम्नदाब द्रोणी या मानसुनी निम्न दाब द्रोणी बढ़ जाती है।
- मानसूनी निम्न दाब द्रोणी जब 1June के आस-पास बहुत ज्यादा शक्तिशाली हो जाती है, तो यह हिंदमहासागर की आद्रता वाली हवाओं को अपनी तरफ खिंच लेती है।
- चुकी भारत में हिंदमहासागर से आने वाली हवाएँ दक्षिणी-पश्चिम दिशा से आती है, इसलिए इसे द०प० मानसुन कहा जाता है। भारत में 90% वर्षा द०प० मानसुन से होती है। यह भारत में प्रवेश करते ही सबसे पहले पश्चिमी घाट से टकराकर केरल के मालाबार तट पर 1 जुन को वर्षा करती है।

दक्षिणी पश्चिमी मानसुन

- सूर्य वर्ष भर में कभी विषुवत रेखा पर लंबवत होती है, कभी कर्क रेखा पर तो कभी मकर रेखा पर ⊥ होती है।

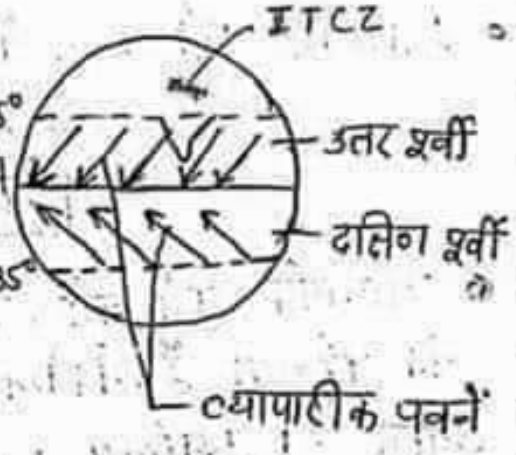

- विषुवत रेखा पर सूर्य की ⊥ किरणें साल भर पड़ती है।
- फेरल का नियम - दक्षिणी गोलार्द्ध में हवाएँ अपनी बाईं तरफ तथा उत्तरी गोलार्द्ध में हवाएँ अपनी दाईं तरफ मुड़ जाती है।

Scanned with CamScanner
Scanned by CamScanner

- दक्षिणी पश्चिमी मानसुन सबसे पहले केरल के मालाबार तट पर आता है।
- इसके बाद पुरे पश्चिमी तट पर वर्षा होती हैं।
- 15 जुलाई आते आते पूरा भारतीय उप म० द० प० मानसुन के चपेट में आ जाती है।

- यह 1 जुन से शुरू होकर 15 सितम्बर तक वर्षा करती रहती हैं।
- यह दो शाखाओं से भारत में प्रवेश करता है।
① अरब सागर शाखा - हवाएँ अरब सागर से
② बंगाल की खाड़ी शाखा - हवाएँ बंगाल की खाड़ी से

अरब सागर शाखा

- द० प० मानसुन के अरब सागर शाखा केरल में पश्चिमी घाट से टकराकर 1 June को सबसे पहले मालाबार तट पर वर्षा करती है।
- इसके बाद पुरे पश्चिमी घाट पर वर्षा करती हैं।

Scanned with CamScanner
Scanned by CamScanner

- अरब सागर शाखा द्वारा गुजरात से लेकर कन्याकुमारी तक पूरे पश्चिमी तटीय मैदान तक वर्षा प्राप्त होती है।
- जब 1 June को अरब सागर शाखा मालाबार तट पर वर्षा करती है, तो इस घटना को मानसून आगमन कहा जाता है।
- भारत में द० प० मानसून द्वारा होने वाली वर्षा मुख्यतः स्यालाकुमि द्वारा निर्धारित होती है।
- द० प० मानसून जब पहाड़ीयों से टकराता है तो हवाएँ पहाड़ों के ढाल के सहारे ऊपर उठती चली जाती है। & तापमान में कमी आ जाती है।
- एडियाबेटीक ताप ह्रास के कारण हवा के तापमान में कमी आ जाती है। इसके कारण हवा अपनी सारी नमी पर्वत के ढाल पर छोड़ देती है - जिसे पर्वतिय वर्षा कहा जाता है।
- प० त० मैदान में सबसे अधिक वर्षा मालाबार तट पर होती है।
- प० त० मैदान पर होने वाली वर्षा दक्षिण से उत्तर की ओर घटती चली जाती है।
- प० तटीय मैदान के दक्षिणी भाग में मालाबार तट पर अधिक वर्षा होती है, कोंकड तट पर कम वर्षा होती है।
- द० प० मानुसुन की अरब सागर साखा प० त० मैदान में वर्षा करने के परचात नर्मदा & ताप्ती की भ्रंसन घाटी में प्रवेश करती है। और आगे पूर्व की ओर बढ़कर अमरकंटक पर वर्षा कराती है।
- अरब सागर शाखा उत्तर में प्रवाहीत होते हुए गुजरात के सौराष्ट्र क्षेत्र में गिर & मांडव पहाड़ीयों से टकराती है।

Scanned with CamScanner
Scanned by CamScanner

• अरब सागर शाखा पूरे अरावली पर वर्षा नहीं करती है।

बंगाल की खाड़ी शाखा

• उत्तर पूर्व की ओर प्रवाहित होने के कारण बंगाल की खाड़ी शाखा पूर्वी घाटों से नहीं टकराती क्योंकी बंगाल खाड़ी की शाखा पूर्वी घाट के समानांतर उत्तर की ओर प्रवाहित हो जाती है।

• यह पूर्वी घाट पर वर्षा नहीं करा पाती है।

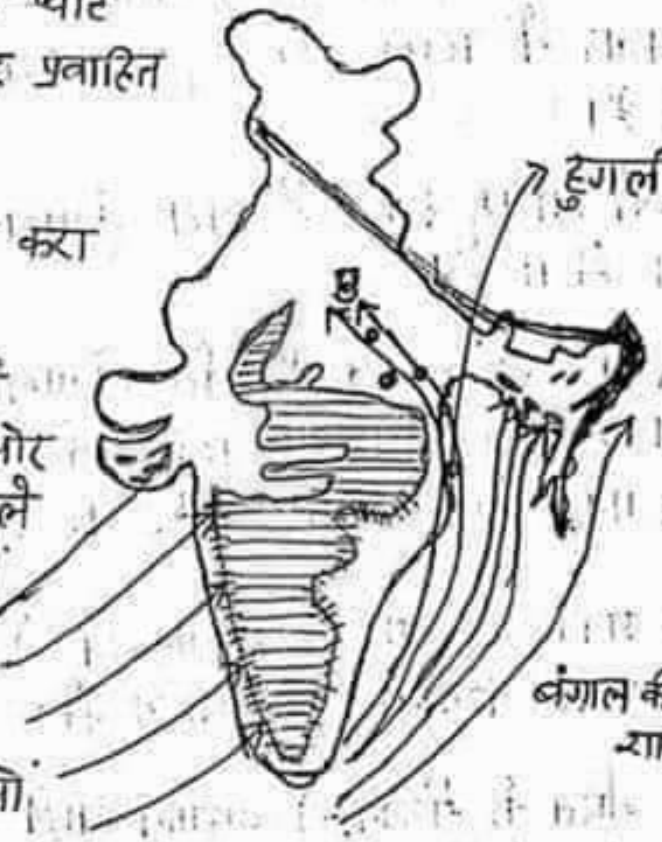

• बंगाल खाड़ी की शाखा पूर्वी घाट के समानांतर उत्तर की ओर प्रवाहित होते हुए सबसे पहले मेघालय के शिलांग पठार से टकराती है। और टकराकर वर्षा कराती है।

• शिलांग पठार पर तीन पहाड़ियों पर वर्षा होती है।

① गारो ② खासी ③ जयन्तीया

→ सबसे ज्यादा वर्षा ✓

→ चेरापूंजी & मासिनराम पर 1080cm से भी अधिक वार्षिक वर्षा होती है।

• मासिनराम दुनिया में सर्वाधिक वर्षा प्राप्त करने वाला स्थल है।

• बं॰खाड़ी की शाखा शिलांग पहाड़ी से टकराकर असम की सूर्मा घाटी के रास्ते असम में प्रवेश करती है & ब्रह्मपुत्र नदी की घाटी में पहुँचती है।

• शिलॉंग पठार से टकराने के बाद बंगाल खाड़ी शाखा हुगली के मोटाने के पास उत्तर भारत में प्रवेश करती है।

Scanned with CamScanner
Scanned by CamScanner

- और कलकता, पटना, इलाहाबाद & कानपुर होते हुए दिल्ली तक पहुँचती है।
- इससे प्राप्त होने वाली वर्षा पूर्व से पश्चिम की ओर घटती चली जाती है।
- पूरब से पश्चिम की ओर हवाओं में नमी की मात्रा घटने लगती है।
- कलकता में 150 cm वार्षिक वर्षा, पटना में 100 cm वार्षिक वर्षा, इलाहाबाद में 76 cm " " दिल्ली " 56 cm " " होती है।
- दिल्ली अंतिम स्थल है जहा बंगाल खाड़ी शाखा द्वारा वर्षा प्राप्त होती है।
- राजस्थान में अरावली पर्वत बंगाल खाड़ी शाखा के मार्ग में पड़ता है। परिणाम अरावली पर्वत से टकराकर इन हवाओं द्वारा राजस्थान में वर्षा होनी चाहिए थी, लेकिन वर्षा नही हो पाती।
- इस प्रकार न तो द० प० मानसुन से राजस्थान में वर्षा होती है, और न हि बंगाल खाड़ी शाखा से ✓
- उत्तर भारत के मैदान में बंगाल खाड़ी की शाखा से सर्वाधिक वर्षा शिवालीक के क्षेत्रो में होती है।
- पूर्व तट पर वर्षा बंगाल खाड़ी शाखा के उष्ण चक्रवातो से होती है।

Scanned with CamScanner
Scanned by CamScanner

➤ भारत में वन्य जीव, राष्ट्रीय उद्यान, अभयारण्य & जैव आरक्षित क्षेत्र :-

* भारत में विश्व का लगभग 5% वन्य जीव है।
* वन जीव (संरक्षण) अधिनियम → 1972
* यह तीन प्रकार का होता है।

राष्ट्रीय उद्यान	वन्य जीव अभ्यारण्य	जैव मंडल आरक्षित क्षेत्र
① यह पूर्णत: सरकार के नियन्त्रण में होती है।	• निजि कार्य की अनुमती होती है।	• इसमें सरकारी नियंत्रण होता है, परंतु बाह्य क्षेत्र में निजी कार्य की अनुमती प्राप्त है।
② सभी प्रकार के मानवीय गतिविधियों पर रोक है।	• सीमा निर्धारण स्पष्ट नही है।	• संपूर्ण स्थानिय पारिस्थितिकी तंत्र माना गया है।
③ वर्तमान में इसकी संख्या 105 है।	• वर्तमान में इसकी संख्या 532 है।	• वर्तमान में इसकी सं० 18 है। • निलगीरि पहला जैव मंडलीय आ० क्षेत्र

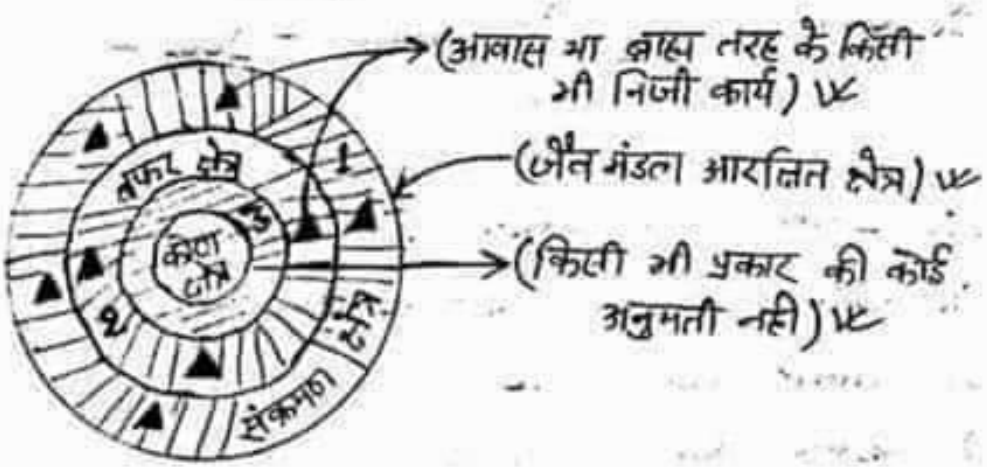

Scanned with CamScanner

Scanned by CamScanner

* राष्ट्रीय उद्यान, वन्य जीव अभ्यारण्य तथा जैव मंडल आरक्षित क्षेत्र तीनों के माध्यम से भारत में वन्य जीवों को संरक्षण देने का प्रयास किया जाता है।

* वन्य जीवों में भी कुछ ऐसे जीव हैं, तो संकट में हैं और इनकी संख्या लगातार घटती जा रही है।
इसी को देखते ही भारत सरकार द्वारा विभिन्न योजनाएँ चलाई गई।

* राष्ट्रीय बाघ संरक्षण अधिनियम — 1973 कुल सं० = 50

* नागार्जुन सागर बाघ संरक्षण — सबसे बड़ा
→ आंध्रप्रदेश

* हाथी संरक्षण परियोजना — 1992 — राष्ट्रीय विरासत पशु
* मगरमच्छ " " — 1974
* गिद्ध " " — 2006
→ संख्या क्यों कम हो गई?
→ दुधारू पशुओं को उनके दूध में वृद्धि के लिए एक दवाई — (डायक्लोफेनॉक) ⇒ उनके अवशेषों को खाने के कारण

* गंगा नदि डॉलफीन परियोजना — 2009
→ राष्ट्रीय जलीय जीव घोषित

---

* प्रथम राष्ट्रीय उद्यान — जिम कार्बेट (1936 ई० में) (?)
* सर्वाधिक राष्ट्रीय उद्यान — मध्यप्रदेश में
* सलीम अली - Bird Man
* कैलाश सांखला - Tiger Man

Scanned with CamScanner
Scanned by CamScanner

➤ भारत के राज्यों में स्थित वन्य जीव अभ्यारण्य, राष्ट्रीय उद्यान & जैव मंडल आरक्षित क्षेत्र :-

CS Scanned with CamScanner

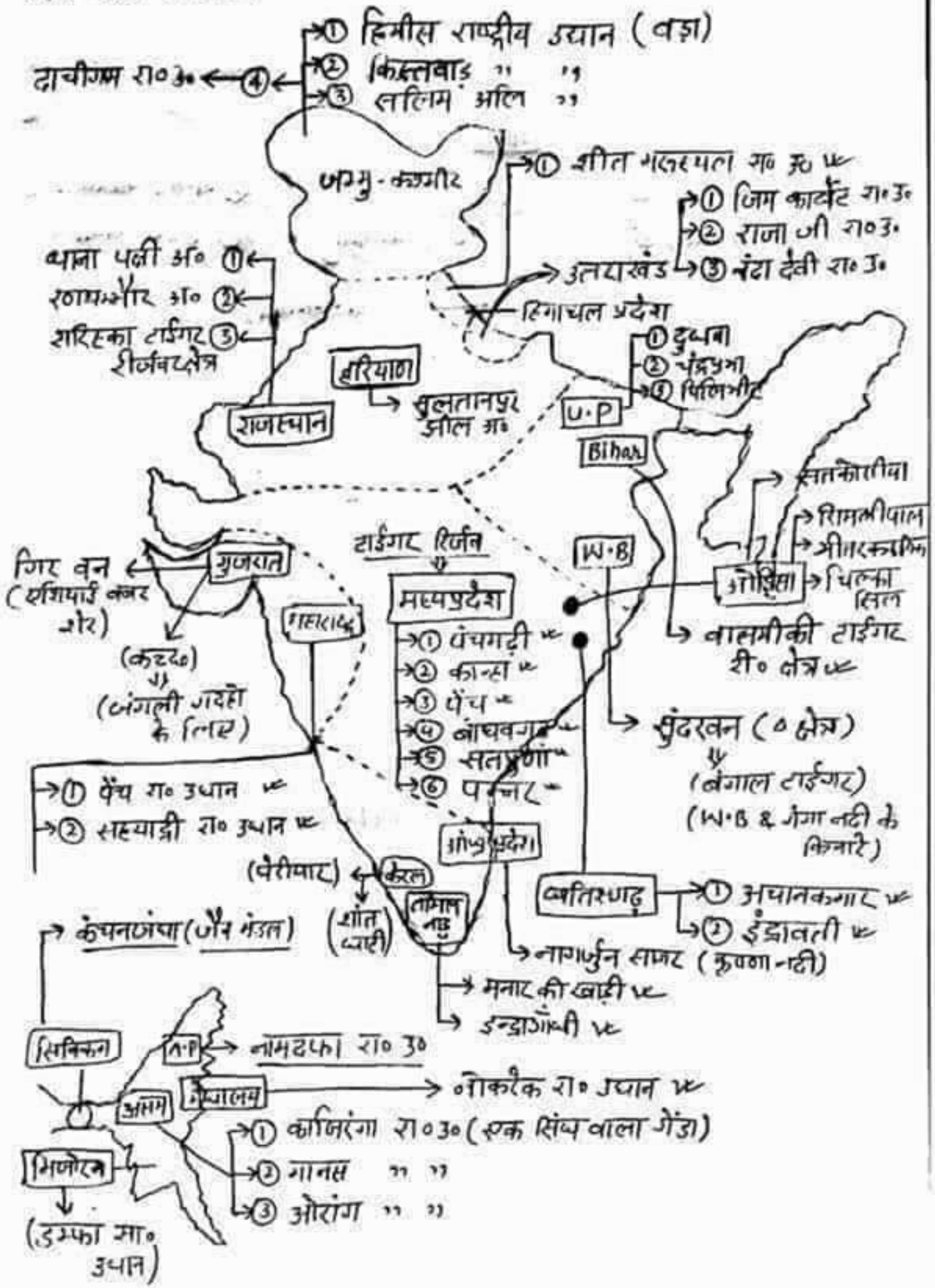

Scanned by CamScanner

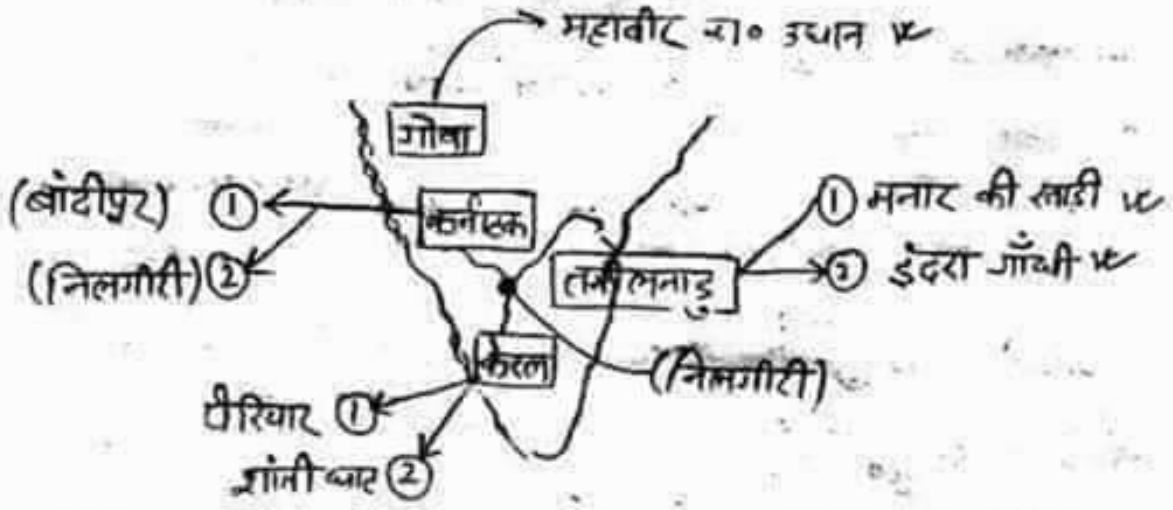

Scanned with CamScanner

Scanned by CamScanner

प्राकृतिक वन & वनस्पति

- प्राकृतिक वन/वनस्पति का अर्थ है कि वनस्पति का वह भाग जो कि मनुष्य की सहायता के बिना अपने आप पैदा होता है। और लंबे समय तक उसपर मानवी प्रभाव नही पड़ता, प्राकृतिक वन/वनस्पति कहलाती है।

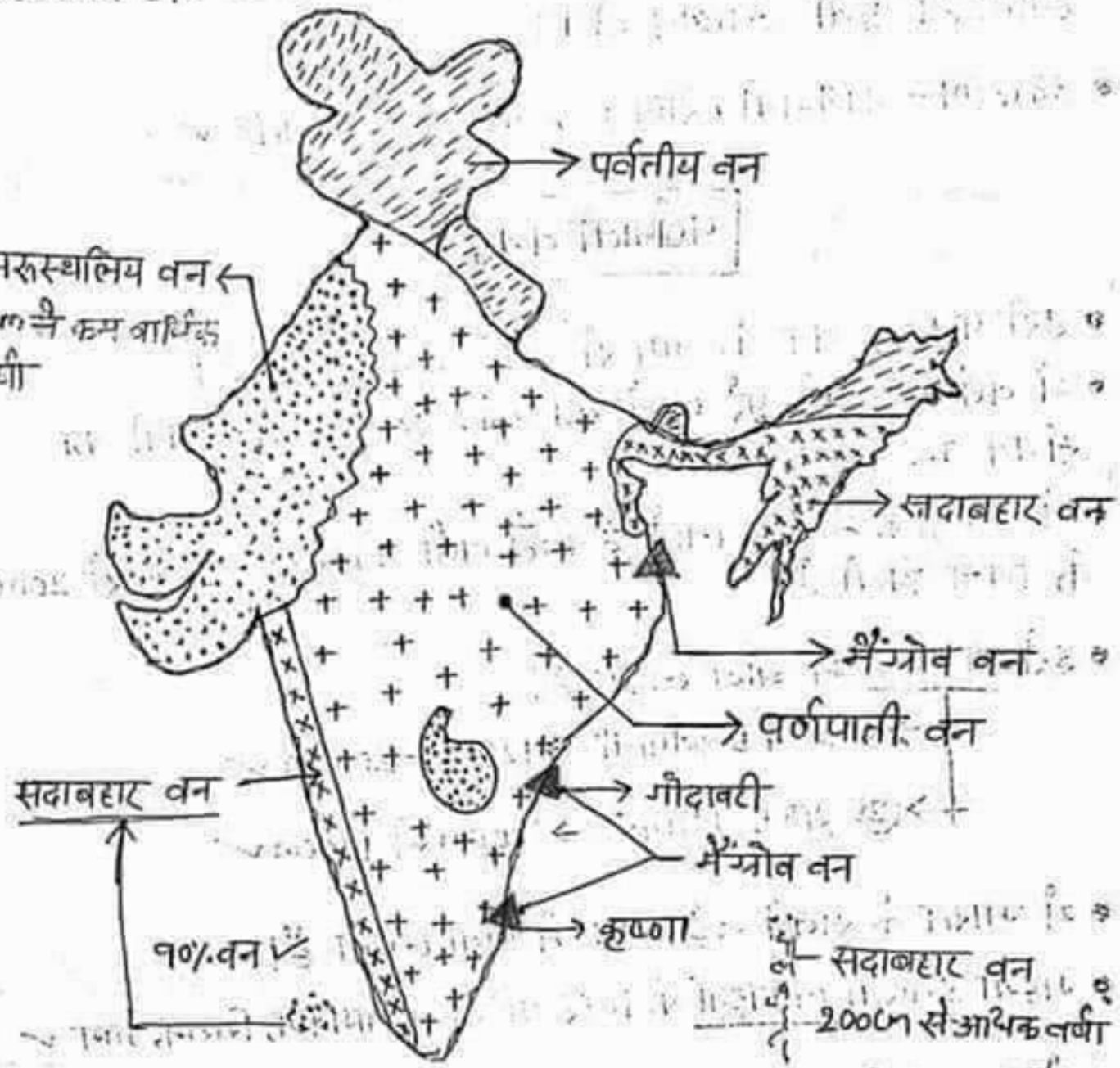

सदाबहार वन

- भारत में यह, वह क्षेत्र है जहाँ 200cm से अधिक वर्षा होती है। यह भारत के उष्णकटिबंधिय क्षेत्र में आते है। यही कारण है, कि इसे उष्णकटिबंधिय सदाबहार वन कहा जाता है।

Scanned with CamScanner
Scanned by CamScanner

- सदाबहार वन काफी घने होते हैं। वर्ष भर ये हरे-भरे दिखाई देते हैं। इसलिए इसे Evergreen forest भी कहा जाता है।
- दुनिया के सबसे ऊँचे वृक्ष भी इसी में पाए जाते हैं।
- ये मुख्यतः पश्चिमी घाट तथा मेघालय का पठार क्षेत्र में पाया जाता है। पूर्वी हिमालय क्षेत्र।
- उदाहरण - महोगनी, रोजवुड, बाँस, रबड़ इत्यादि ✓

पर्णपाती वन

- इसे पतझड़ वन के नाम से भी जाना जाता है।
- ये वर्ष में अपने पूरे पत्ते को झाड़ देते हैं, ताकि पानी का संचय कर सके।
- ये उन क्षेत्रों में पाए जाते हैं जहाँ वर्षा की मात्रा 70cm से 200cm के बिच होती है।
- इसे दो भागों में बाँटा जाता है।
  - → ① आर्द्र पर्णपाती → 120cm - 200cm ✓
  - → ② शुष्क पर्णपाती → 70cm से 120cm ✓
- ये भारत के सबसे बड़े भाग में पाया जाता है।
- महँगी इमारती लकड़ियों के लिए प्रसिद्ध - सागवान, शिशम, आम ✓
- क्षेत्र - U.P, बिहार, तमिलनाडु, MP, झारखंड, छत्तिसगढ़ ✓

Scanned with CamScanner

Scanned by CamScanner

पर्वतीय वन

- इसे शंकुधारी वन भी कहा जाता है।
- ये विशेष रूप से हिमालयन क्षेत्र में पाए जाते हैं।
- J&K, हिमांचल प्रदेश, उत्तराखंड, सिक्किम, A·P
- हिमालय की ऊ० बढ़ने से तापमान कम होता जाता है – इसीलिए वनों का आकार बदलता चला जाता है।
- उदाहरण – चीड़, स्प्रुस, सिल्वर फर

- 0° तापमान हो जाने पर दो प्रकार के घास पाए जाते हैं – मॉस, लाइकेन
और इस क्षेत्र को <u>टुण्ड्रा</u> कहा जाता है।

मरुस्थलीय वन/काँटेदार झाड़ी

- यह भारत के मरुस्थल क्षेत्र यानि (राजस्थान) के क्षेत्र में पाया जाता है।
- ये उन क्षेत्रों में होती हैं जहाँ वर्षा 70cm से कम होती है।
- इन वनों की जड़े काफी लंबी होती हैं, और पत्ते छोटे तथा नुकीले होते हैं। क्योंकि ये अपने जल का संरक्षण कर सकें।
- ये पौधे काँटों का भी प्रयोग करते हैं, भोजन बनाने के लिए।
- उदाहरण – बबूल, नागफनी, बेर, खजूर
- क्षेत्र – राजस्थान, गुजरात, पंजाब & हरियाणा, MP, महाराष्ट्र, तेलंगाना

Scanned with CamScanner
Scanned by CamScanner

मैंग्रोव वन

- इस प्रकार के वन मुख्यतः डेल्टाई क्षेत्रों में पाया जाता है।
- जब नदियाँ बहकर के समुन्द्र में मिलने जाती है, तो अपने किनारों पर डेल्टा अर्थात (मिट्टी) निर्माण करती है। इन डेल्टा पे जो वन पाए जाते है, उसे मैंग्रोव वन कहा जाता है।
- भारत का सबसे बड़ा डेल्टा सुन्दरवन डेल्टा है। जो ब्रह्मपुत्र & गंगा नदियों द्वारा बनाया जाता है। या हुगली नदी द्वारा ✓
- इसे गरान वन भी कहा जाता है।
- उदाहरण – सुन्दरी नाम पौधा ✓
- ये वन झाड़िनुमा होती है, इनकी जड़े एक दुसरे से फसी होती है। इसकी ऊँचाई कम होती है और ये समुन्द्र के नमकीन पानी में जिने में सक्षम होते है।

★ भारत में **दो प्रकार** के वन पाए जाते है।

- **आरक्षित वन** ⇩ Totally controled by Government.
- **संरक्षित वन** ⇩ Controled by Government but मानव का प्रवेश ✓

★ राष्ट्रीय वन नीति – 1988 – 33% लक्ष्य प्राप्ति ✓

- भारत के 24·39% क्षेत्र में वन पाए जाते है। – 2017 के अनुसार ✓
- सर्वाधिक वन – MP में – 77,414 Km^2 में फैला है।
- % की दृष्टि से – मिजोरम – 86%

CS Scanned with CamScanner
Scanned by CamScanner

पर्वत, पठार एवं मैंदान

① पर्वत ✓

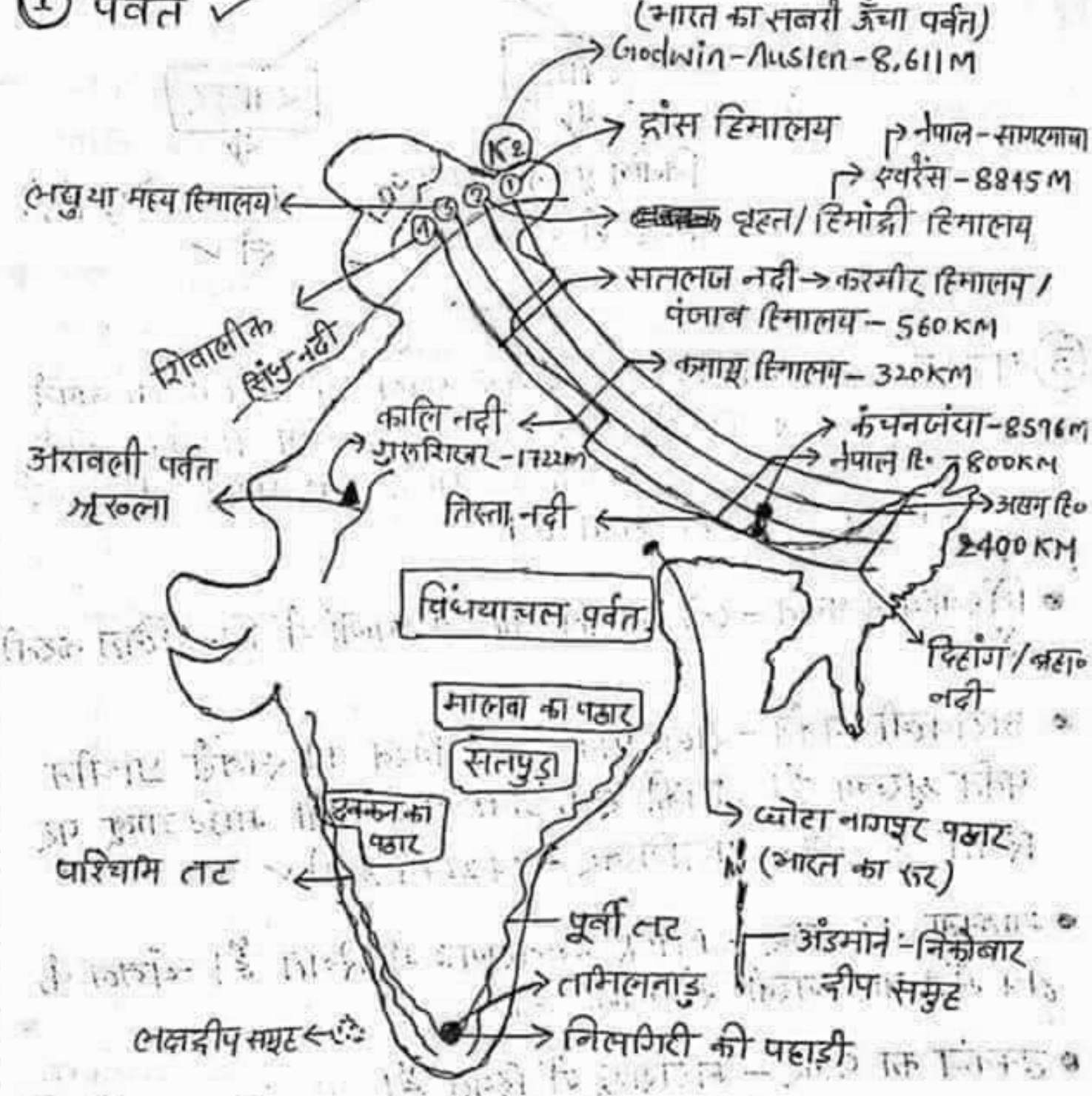

② मैंदान – मैंदान का निर्माण खासकर नदियों द्वारा होती है, जब नदियाँ किसी विस्तृत क्षेत्र में फैलती है, तो मैंदान का निर्माण होता है।

- भारत में खासकर गंगा, यमुना, ब्रह्मपुत्र तथा सिन्धु और उसकी सहायक नदियाँ विस्तृत मैंदान का निर्माण करती है। कृषि के लिए ✓

Scanned with CamScanner

Scanned by CamScanner

• छोटा नागपुर का पठार - झारखंड में स्थित है। विशेषत: खनिज संसाधन के लिए प्रसिद्ध है। खनिज के अधिकता के कारण इसे भारत का रूर भी कहा जाता है।

• मेघालय का पठार - गारो, खासी, जयन्तियां विशेष प्रजाती निवास करती है।

④ तटीय मैदान - भारत के तटीय मैदान का विस्तार पश्चिम में अरब सागर के तट (गुजरात) पर और पूर्व में बंगाल की खाड़ी (W.B) के किनारे स्थित है। प्रायद्वीप के पूर्व या पश्चिम के आधार पर दो भागों में बाँटा गया है।

① पूर्व तटीय मैदान - कन्याकुमारी से बंगाल के किनारे तक।
② पश्चिम तटीय मैदान - गुजरात से कन्याकुमारी तक - 1600 km

→ सर्वाधिक वर्षा होने के कारण जैव विविधता पायी जाती है।
→ यह तीन भागों में बंटा है।
→ ① गुजरात से गोवा तक - कोंकण तट
→ ② गोवा से बंगलुरू तक - कैनरा तट
→ ③ बंगलुरू से कन्याकुमारी तक - मालाबार तट
→ ये तट की ऊँचाई अधिक होने के कारण इसे - सह्याद्री भी कहा जाता है।

• यही कारण है कि जब पश्चिमी घाट पर वर्षा होती है तो सर्वाधिक नदियाँ पश्चिम से पूर्व की बहती है।

पूर्वी तटीय मैदान

→ ① कन्याकुमारी से कृष्ण नदी के मोहाने तक - कोरोमंडल तट
→ ② कृष्णा से गोदावरी के मुहाने तक - गोलकुंडा तट
→ ③ गोदावरी से अंतिम तट के क्षेत्र तक - उत्तरी सरकार तट

Scanned with CamScanner
Scanned by CamScanner

- दोनो तट तमिलनाडु में आकर मिलती हैं - निलगिरी की पहाड़ी में।
- निलगीरी की पहाड़ी की सबसे ऊंची चोटी - डोडाबैटा (दक्षिण भारत की सबसे ऊंची चोटी) - 2637 M
  ↑ ②
- अन्नामलाई की पहाड़ी - ~~ह~~ चोटी - अन्नैमुड़ी - 2696m - द० भा० की सबसे ऊंची चोटी।

⑤ मरुस्थल - राजस्थान में स्थिती है जिसका कुछ हिस्सा PAK में भी स्थित है। - नाम - थार मरुस्थल ✓

⑥ द्वीप - भारत में कुल (247) द्वीप समूह हैं।

- (247)
  - (204) → बंगाल की खाड़ी में
  - (43) → अरब सागर में

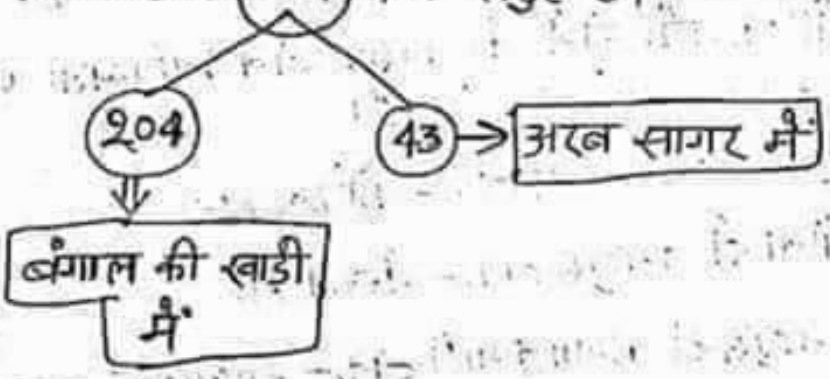

- भारत का सबसे बड़ा द्वीप समूह - अंडमान - निकोबार
  - → सबसे ऊंची चोटी - सैडलपीक
- दो ज्वालामुखी
  - (बैरन) → एक मात्र सक्रिय ज्वालामुखी
  - → नारकोंडम

CS Scanned with CamScanner

Scanned by CamScanner